संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -357 मंगलवार,31 अक्टूबर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

राघव चड्डा के निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

किसी सांसद को निलंबित करने से उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे मतदाताओं के अधिकार पर पड़ता है 'गंभीर असर'

नई दिल्ली,30अक्टूबर 2023 (ए)। आप नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि किसी सांसद को निलंबित करने से उसके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जा रहे मतदाताओं के अधिकार पर 'गंभीर असर' पड़ता है। चड्ढा को इस साल अगस्त में चयन समिति में नाम शामिल करने से पहले पांच राज्यसभा सांसदों की सहमति नहीं लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था।

अनिश्चितकालीन निलंबन चिंता का कारण'

आप राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के निलंबन का मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई ने एजी से पूछा कि इस तरह के अनिश्चितकालीन निलंबन का असर उन लोगों पर पड़ेगा जिनके निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं हो रहा है। विशेषाधिकार समिति के पास सदस्य को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करने की शक्ति कहां है? क्या इससे विशेषाधिकार का उल्लंघन होता है? यह लोगों के प्रतिनिधित्व के बारे में है। हमें उन आवाज़ों को संसद से बाहर न करने के बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए। एक संवैधानिक न्यायालय के रूप में यह चिंता का एक गंभीर कारण है। अनिश्चितकालीन निलंबन चिंता का कारण है।

सीजेआई ने पूछा- क्या यह विशेषाधिकार का उल्लंघन है?

सीजेआई ने एजी से कहा कि क्या उन्होंने जो किया है उससे सदन की गरिमा कम होती है? एक सदस्य, जिसे चयन समिति का हिस्सा बनने के लिए अन्य सदस्यों की सहमति को सत्यापित करना चाहिए था, ने प्रेस को बताया कि यह

जन्मदिन के निमंत्रण कार्ड की तरह था, लेकिन क्या यह विशेषाधिकार का उल्लंघन है? अगर सदन में बयान देने वाले किसी व्यक्ति को 5 साल जेल की सज़ा हो जाए? आनुपातिकता की भावना होनी चाहिए। क्या ये ऐसा उल्लंघन है जहां किसी को अनिश्चित काल के लिए निलंबित किया जाना चाहिए? यदि वह स्पीकर को पत्र लिखकर माफी मांगना चाहते हैं, तो क्या इसे स्वीकार कर लिया जाएगा। मामला बंद कर दिया जाएगा या हमें सुनवाई करनी चाहिए और इस पर कानून बनाना चाहिए? वह हम कर सकते हैं।

कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता :एजी

सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल और राघव चड्ढा के वकील से लिखित दलीलें जमा करने को कहा है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी। अटॉर्नी जनरल आर वेकंटरमणी ने कहा कि इस मामले में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता। ये संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। अगर अदालत सुनवाई करती है तो संसद का असम्मान कर रही है।

खाली घोषित हो सकती है सीट

राघव चढ्ढा के वकील राकेश द्विवेदी ने कहा कि 60 दिन तक अगर हाउस में नहीं गए तो सीट खाली घोषित हो सकती है। ऐसे में कैसे अनिश्चित काल तक सस्पेंड किया जा सकता है। राघव चढ्ढा ने राज्यसभा से अपने निलंबन को चुनौती दी है। अगस्त में चड्ढा को निलंबित किया गया था। राघव की तरफ से दलील दी गई है कि उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला नहीं बनता। अगर मामला बनता भी है, तो नियम 256 के तहत उन्हें सिर्फ उसी सत्र तक के लिए निलंबित किया जा सकता था। मामला अभी संसद की विशेषाधिकार कमेटी के पास है।

माफी मांगने को तैयार हैं चड्डा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम विशेषाधिकार हनन के विस्तृत विषय या विशेषाधिकार समिति के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं देंगे। कोर्ट के सामने जो विचार का मुद्दा है वो अनिश्चित काल तक राज्यसभा से राघव चड्ढा का निलंबन है। हमें ये भी विचार करना है कि कोर्ट इस मामले में किस हद तक दखल दे सकता है। राघव की ओर से कहा गया कि उनकी मंशा राज्यसभा की महिमा को कम करने की नहीं थी। वो इस मामले में माफी मांगने को तैयार हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी दिया था बड़ा दखल

इससे पहले भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा दखल हुआ था. निलंबन पर राज्यसभा सचिवालय को नोटिस जारी किया गया था और जवाब मांगा था। सुप्रीम कोर्ट ने अटार्नी जनरल से सहायता मांगी थी। एससी ने कहा था कि वह इस बात की जांच करेगा कि क्या किसी सदस्य को जांच लंबित रहने तक निलंबित किया जा सकता है। एससी यह भी जांच करेगा कि क्या सज़ा अनुपातहीन थी।
सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान कहा था कि अदालत को यह जांचने की जरूरत है कि क्या किसी सदस्य को जांच लंबित रहने तक निलंबित किया जा सकता है। आनुपातिकता का मुद्दा ये है कि क्या किसी सदस्य को निलंबित करने के लिए नियम 256 लागू किया जा सकता है। वकील शादान फरासत ने कहा कि ऐसा करने की कोई शक्ति नहीं है। इसे सत्र से परे नहीं किया जा सकता है। इसे सत्र से आगे बढ़ाने के लिए अंतर्निहित शक्तियों का उपयोग नहीं किया जा सकता। ये विशेषाधिकार का उल्लंघन नहीं है।

भीषण आग में 40 से ज्यादा बसें जलकर खाक

बेंगलुरु,30 अक्टूबर 2023(ए)। बेंगलुरु से भीषण आग लगने की खबर आ रही है। यहां पार्किंग में खड़ी कई बसें आग की चपेट में आ गई। वीरभद्र नगर के पास आज सोमवार को एक पार्किंग में भीषण आग लगने से 40 से ज्यादा बसें जलकर खाक हो गई है।
आग लगने का कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। बस स्टैंड के पास ही पार्किंग है। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। बता दें कि इस बीच आग की घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कई बसें धू-धू कर जलती नजर आ रही हैं। वहीं, आग के लपटों के साथ आसमान में काला धुआं उठते हुए दिखाई दे रहा है।

कर्नाटक के डेढ़ दर्जन अधिकारियों के 90 ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

» आवास और कार्यालयों में हो रही है तलाशी

बैंगलुरु ,30 अक्टूबर 2023(ए)। कर्नाटक में लोकायुक्त की विभिन्न विभागों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में आज (सोमवार) लोकायुक्त की टीमों ने बेंगलुरु समेत राज्य के विभिन्न जिलों में 90 स्थानों पर विभिन्न सरकारी अधिकारियों के आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी की है।

छापेमारी से मचा हड़कंप

कर्नाटक में लोकायुक्त ने सोमवार को जब कई सरकारी अधिकारियों के आवास और कार्यालयों पर एक साथ छापेमारी की तब हड़कंप मच गया। ये छापेमारी बेंगलुरु समेत राज्य के 90 अलग-अलग जिलों में की गई। दरअसल, आय से अधिक संपत्ति के मामले में 17 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। लोकायुक्त अधिकारियों द्वारा छापेमारी और तलाशी अभियान जारी रखी गई है।

दफ्तर और घरों पर औचक रेड

गुप्त सूचना के आधार पर लोकायुक्त अधिकारियों ने बेंगलुरु, चित्रदुर्ग, कलबुर्गी, रायचूर, हासन, बीदर, देवदुर्गा, रामानगर, चामराजनगर, तुमकुर, मांड्या, दावणगेरे, हावेरी, रायचूर, बेल्लारी और बेलगाम समेत कई जिलों के सरकारी अधिकारियों के आवासों पर अचानक छापेमारी की और दस्तावेजों की जांच शुरू की।
आय से अधिक कमाई के आरोप में विभिन्न विभागों के सरकारी अधिकारियों के घरों और दफ्तरों पर एक साथ छापेमारी की है। बता दें, पहले भी आरआर नगर जोनल ऑफिसर रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त के जाल में फंसे थे। इसकी अगली कड़ी में लोकायुक्त अधिकारियों की टीम ने छापेमारी कर तलाशी जारी रखी। छापेमारी में जब्त नगदी और कीमती वस्तुओं की कोई जानकारी फ़िलहाल नहीं दी गई है।

कतर में फांसी की सजा पाने वाले आठ पूर्व नेवी अफसरों के परिवार से मिले विदेश मंत्री

नई दिल्ली ,30 अक्टूबर 2023(ए)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कतर में फांसी की सजा पाने वाले 8 भारतीयों के परिवारों से मुलाकात की। जयशंकर ने मुलाकात के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि भारत सरकार मामले को सर्वोच्च महत्व दे रही है और सभी भारतीयों की सजा रोकने के लिए तेजी से काम कर रही है। बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि परिवारों की चिंताओं और दर्द को मैं पूरी तरह महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास करना जारी रखेगी। इस संबंध में परिवारों के साथ

निकटता से समन्वय भी करेगी।
बता दें कि कतर की एक अदालत ने 8 पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई है। कतर का कहना है कि ये सभी लोग कतर की जारूसी कर देश को खतरा पहुंचा रहे थे। आठों पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों को बीते साल हिरासत में लिया गया था। इनपर देश की जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। इन भारतीयों पर इजरायल के लिए कतर के सबमरीन प्रोजेक्ट की गुप्त जानकारी चुराने का आरोप लगा है।
कतर की अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद विदेश मंत्रालय ने इस फैसले पर हैरानी और एतराज जताया था। मंत्रालय ने कहा कि वो इस फैसले से स्तब्द हैं और कानूनी विकल्प तलाश रही है। बता दें कि ये सभी लोग अपनी रिटायरमेंट के बाद दोहा की एक कंपनी में काम करते थे, जिसके काम से वो कतर गए थे।

मनीष सिसोदिया को जमानत से सुप्रीम कोर्ट ने भी किया इनकार

नई दिल्ली ,30 अक्टूबर 2023(ए)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के दूसरे सबसे बड़े नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका सर्वोच्च अदालत ने खारिज कर दी है। सुनवाई पूरी करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को इस साल फरवरी के अंत में गिरफ्तार किया गया था।

जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएल भट्टी की पीठ ने सीबीआई और ईडी दोनों ही केस में सिसोदिया की अर्जी खारिज कर दी। सबसे बड़ी अदालत ने सिसोदिया को जमानत भले ही नहीं दी, लेकिन जांच एजेंसियों को जल्दी ट्रायल पूरा करने को कहा है। कोर्ट ने सीबीआई और ईडी की इस दलील को स्वीकार किया का ट्रायल 6-8 महीने में पूरा हो सकता है। कोर्ट ने कहा कि यदि ट्रायल धीमी गति से चला तो सिसोदिया दोबारा जमानत याचिका दाखिल कर सकते हैं।
हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुना और कई सवाल भी किए।

लड़ाई से कर्जदार हुआ झारखंड

» सीआरपीएफ का राज्य पर 11,348 करोड़ बकाया

रांची,30 अक्टूबर 2023(ए)। झारखंड को नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती के एवज में बड़ी 'कीमत' चुकानी पड़ रही है। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) ने राज्य सरकार पर 11 हजार 348 करोड़ 58 लाख रुपए की दावेदारी की है।
पिछले साल राज्य सरकार ने सीआरपीएफ को बकाया मद में 1,700 करोड़ का भुगतान किया था। राज्य सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को इस संबंध में पत्र लिखकर केंद्रीय बलों की तैनाती, अब तक किए गए भुगतान और बकाया आदि का पूरा ब्योरा मांगा है, ताकि दावा राशि के भुगतान पर निर्णय लिया जा सके।
गौरतलब है कि राज्य में आज की तारीख में सीआरपीएफ की 132 कंपनियों की तैनाती है। इन्हें मुख्य तौर पर राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में लगाया गया

है। इन बलों की तैनाती पिछले डेढ़ दशक से भी ज्यादा वक्त से है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने पिछले वर्ष अपनी समीक्षा में पूरे देश में नक्सलियों के प्रभाव वाले कुल जिलों की संख्या 70 पायी थी। इनमें से नक्सलवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 25 है।
झारखंड में 8 जिले नक्सलियों के अति प्रभाव वाले हैं, जबकि 8 अन्य जिले सामान्य प्रभाव वाले माने गये हैं। अति माओवाद प्रभावित जिलों में चतरा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, सरायकेला- खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम हैं, जबकि सामान्य प्रभाव वाले जिलों में रांची, बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, गढ़वा, गिरिडीह और हजारीबाग शामिल हैं।
इन सभी जिलों में आईबी और पुलिस की खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर सेंट्रल पारा मिलिट्री फोर्सेज की मदद से अभियान लगातार जारी है और नक्सलियों के प्रभाव में एक हद तक कमी भी आयी है। राज्य में कुल मिलाकर नक्सलियों की संख्या अब कुछ सौ रह गयी है, लेकिन नक्सल प्रभावित जिलों में विधि-व्यवस्था और अमन-चैन कायम करने के लिए केंद्रीय बलों की 132 कंपनियां तैनात हैं। केंद्रीय एवं पुलिस बलों को मिलाकर लगभग 85 हजार जवान राज्य में तैनात हैं।

सिग्नल ओवरशूट-मानवीय भूल के कारण ट्रेन की टक्कर

» 13 लोगों की हो चुकी है मौत

» रेलवे ने बताया हादसे की वजह

विजयनगरम,30 अक्टूबर 2023(ए)। जियानगरम जिले में हावड़ा-चेन्नई मार्ग पर एक ट्रेन के सिग्नल पार करने और दूसरी ट्रेन से टकरा जाने के बाद कई डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा शाम करीब 7 बजे हुआ, जहां 08532 विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन 08504 विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर स्पेशल से टकरा गई। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों के बीच टक्कर मानवीय भूल के कारण हो सकती है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विश्वजीत साहू ने

कहा, विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर स्पेशल ट्रेन सिग्नल को 'ओवरशूटिंग' कर रही थी। जिसके कारण दोनों ट्रेनें आपस में टकरा गई।अधिकारियों के मुताबिक, ऐसा तब होता है जब कोई ट्रेन रेड सिग्नल पर रुकने की बजाय आगे बढ़ जाती है। दुर्घटना के कारण विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन (ट्रेन नंबर 08532) के पिछले दो डिब्बे और विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर (ट्रेन नंबर 08504) के लोको कोच पटरी से उतर गए।

जम्मू-कश्मीर में फिर टारगेट किलिंग

आतंकियों ने बाहरी मजदूर की गोली मारकर की हत्या

श्रीनगर ,30 अक्टूबर 2023(ए)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों ने सोमवार को एक गैर-स्थानीय मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी। मजदूर की पहचान उत्तर प्रदेश के मुकेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा, आतंकवादियों ने पुलवामा की त्राल तहसील के नौपोरा इलाके के तुमची गांव में गैर-स्थानीय मजदूर पर गोलीबारी की। बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल इलाके की घेराबंदी गई है। पुलिस और सेना के जवान आतंकियों की तलाश में जुटे हैं। बता दें कि सोमवार को सुबह ही कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की एक कोशिश को भी नाकाम कर दिया था और एक आतंकवादी को मुठभेड़ में मार गिराया था।

लोकसभा चुनाव से पहले जदयू में मचा भूचाल

» एक साथ छह नेताओं के इस्तीफे मंजूर

» 5 में से छह पार्टी पदाधिकारियों का जिलाध्यक्ष ने किया इस्तीफा मंजूर

» जिलाध्यक्ष के खिलाफ मुखर होने लगे पार्टी नेता

औरंगाबाद,30 अक्टूबर 2023(ए)। लोकसभा चुनाव से पहले जिला जदयू में भूचाल आया है। पार्टी जिलाध्यक्ष के कार्यों से नाराज जिला स्तरीय पदाधिकारी इस्तीफा दे रहे हैं।
पार्टी के 15 पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह पर

मनमानी करने का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। एक साथ 15 की इस्तीफा के बाद से पार्टी में हलचल बढ़ गई है।

15 नेताओं ने दिया था इस्तीफा

जिलाध्यक्ष इस्तीफा दिए अधिकारियों को हटाने में लगे हैं। वहीं, पार्टी नेता अध्यक्ष के खिलाफ राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिकायत कर रहे हैं।
रविवार को जिला जदयू के मुख्य प्रवक्ता अजिताभ कुमार सिंह रिंकू ने प्रेस बयान पर जारी कर बताया कि नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के जदयू के 15 पार्टी पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दिया था।
छह का इस्तीफा मंजूर किया गया है। नौ अपने पद पर बने रहेंगे। सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलकर अपनी गलती पर खेद प्रकट किया है।

ये नेता अपने पद पर बने रहेंगे

मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह के निर्देश पर उदय पटेल, मुकेश पटेल, विनोद सिंह, फारूक कैसर, बृजमोहन मेहता, महावीर मेहता, जितेंद्र चंद्रवंशी, केदार यादव, मुरारी रजक अपने पद पर बने रहेंगे। जिला प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह, सूर्यवंश सिंह, विभूति नारायण पांडे, सचिव नागेंद्र सिंह एवं महासचिव रंजीत कुमार सिंह का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। अब ये पद पर नहीं रहेंगे।

मनमानी का लगाया आरोप

उधर, पूर्व मुख्य प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा के साथ अन्य पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष पर मनमानी, संगठन को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखा है।
बताया है कि औरंगाबाद स्थित जदयू कार्यालय बंद रहता है। गांधी एवं राधाकृष्णन जयंती पर कार्यालय बंद रहा। दोनों की जयंती पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ।
जिलाध्यक्ष पटना में रहते हैं, जिस कारण संगठन कमजोर हो रहा है। जिला 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के गठन में ओबरा, नबीनगर, बारुण, हसपुरा एवं कुटुंबा प्रखंड को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया।

चुनाव प्रचार के दौरान बीआरएस सांसद पर चाकू से हमला

भीड़ ने आरोपी को पीटकर पुलिस को सौंपा

नई दिल्ली ,30 अक्टूबर 2023(ए)। तेलंगना में सोमवार को चुनाव-प्रचार के दौरान सत्ताधारी भारत राष्ट्र समिति के सांसद पर जानलेवा हमला किया गया। तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले में बीआरएस सांसद के। प्रभाकर रेड्डी एवं दुब्बक विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार पर एक शख्स ने चाकू से हमला कर दिया। वारदात के समय वह प्रचार कर रहे थे। मेडक लोकसभा क्षेत्र से सांसद रेड्डी के पेट में चाकू लगने के घाव हैं और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा

कि उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।पुलिस ने बताया यह घटना दौलताबाद मंडल में उस समय हुई, जब प्रभाकर रेड्डी प्रचार कर रहे थे। पार्टी ने उन्हें राज्य में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में दुब्बक सीट से मैदान में उतारा है। एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वाहन में बैठे प्रभाकर रेड्डी (रक्तस्राव को रोकने के लिए) अपने पेट पर लगे चाकू के घाव को दबाते हुए दिखाई दे रहे हैं।
जिस व्यक्ति ने कथित तौर पर सांसद पर चाकू से हमला किया, उसकी कुछ स्थानीय लोगों ने जमकर पिटाई की। सिद्दीपेट की पुलिस आयुक्त एन श्वेता ने बताया, 'हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है। हम उसके बारे में जानकारी जुटा रहे हैं।' मामले की जांच की जा रही है।
तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और नतीजे की घोषणा 3 दिसंबर को की जाएगी। तेलंगाना में फिलहाल भारत राष्ट्र समिति सत्ता में है और के चंद्रशेखर राव मुख्यमंत्री हैं। पहले इस पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति था।

संपादकीय

चाऊर वाले बाबा वर्सेस धान वाले कका

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भी हमेशा की तरह इस बार भी कांग्रेस और भाजपा के बीच ही मुकाबला होने जा रहा है। धान का कटोरा कहलाने वाले छत्तीसगढ़ में किसान ही सत्ता की चाबी तय करते है। यही वजह है कि कांग्रेस पार्टी ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी करने से पहले ही किसानों का दिल जीतने के लिए मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया है। पिछले विधानसभा चुनाव के पहले भी कांग्रेस ने किसानों का कर्ज माफ करने और उन्हे बकाया बोनस देने का चुनावी वादा किया था और इन वादों पर भरोसा कर छत्तीसगढ़ के किसानों ने कांग्रेस को न सिर्फ सत्ता की चाबी सौंपी थी बल्कि कांग्रेस पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत भी दिलाया था। बीते पांच सालों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने किसानों के हितों का संरक्षण करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी।

अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे को अमलीजामा पहनाते हुए मुख्यमंत्री पद की शपथा लेते ही भूपेश बघेल ने किसानों के कर्ज माफ करने का ऐलान कर दिया था। किसानों के बोनस की बकाया राशि को भी उन्होने किश्तों में ही सही लेकिन किसानों को देकर अपना दूसरा वादा भी निभाया और किसानों का भरोसा जीता। इस बार भी विधानसभा चुनावों में भी किसान ही राजनीति की दिशा तय करेंगे। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मास्टर स्ट्रोक के जवाब में भाजपा किसानों के हित में कौन सी घोषणाएं करती है। वैसे तो कांग्रेस का घोषणा पत्र भी आना बाकी है और उसमें भी किसानों के हित में और कई घोषणाएं हो सकती है। जब दोनों ही पार्टियों का घोषणा पत्र सामने आ जाएगा तभी पता चलेगा कि इस बार किसानों का आशिर्वाद किस पार्टी को मिलेगा। बहरहाल यह चुनाव अब चाऊंर वाले बाबा और धान वाले कका के बीच केन्द्रित होता नजर आ रहा है। 2003 में जब पहली बार डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी तब उन्होने गरीबों की चिंता करते हुए बीपीएल कार्डधारियों को एक व दो रूपए किलो की दर से चांवल उपलब्ध कराने का की अनूठी पहल की थी। जिसके चलते वे प्रदेश में चाऊंर वाले बाबा के नाम से पहचाने जाने लगे और भाजपा ने लगातार तीन चुनाव जीत कर हैट्रिक लगा दी थी।

लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में किसानों की नाराजगी के चलते भाजपा जीत का चौका लगाने से न सिर्फ चूक गई थी बल्कि उसे शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ गया था। अब भाजपा को इसकी भी भरपाई करनी होगी और अपने चुनावी घोषणा पत्र में कृषि और किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी तभी वह कांग्रेस को कड़ी टक्कर देने में सफल हो पाएगी। फिलहाल छत्तीसगढ़ के किसान भाजपा और कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र की बेसब्री से बाट जोह रहे है।

दोनों पार्टियों के घोषणा पत्र सामने आ जाएंगे तो उनकी तुलना कर प्रदेश के किसान अपना मत तय करेंगे। सालों से सियासी केंद्र बना धान इस बार राजनीति में दाखिल होता दिख रहा है। दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर तंज कस रही है । भाजपा धान खरीदी और किसानों को लेकर सरकार पर हमलावर है। वहीं कांग्रेस भाजपा की नियत पर लगातार सवाल खड़े कर रही हैं।

अभी राज्य की 90 सीटों में से कांग्रेस के पास 71 सीटे हैं। वहीं मुख्य विपक्षी भाजपा के पास 14, जोगी कांग्रेस के पास 3 और बसपा के पास 2 विधायक हैं। हाल ही में हुए निकाय चुनावों के साथ ही 2018 के बाद हुए उपचुनावों में कांग्रेस ने बढ़त बनाई है. ऐसे में अब कांग्रेस को मात देना बीजेपी के लिए बड़ी अग्नि परीक्षा है।

नये भारत के निर्माता थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की

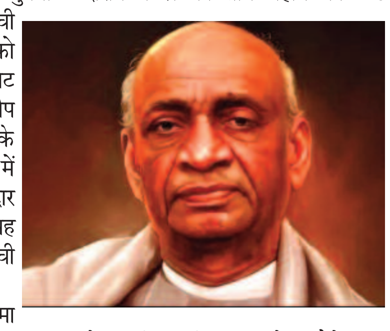

जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

भारतीय संस्कृति और संस्कारों को भ्रमित करती पश्चात जीवन शैली

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी रायपुर छत्तीसगढ़

अंग्रेजों के आने के पूर्व भारतीय संस्कृति धार्मिक, आध्यात्मिक, परंपरा वादी, भाग्यवादी रही है। अंग्रेजों के भारत आने के बाद और उनके संपर्क में रहने से भारतीय जीवन का स्वरूप काफी हद तक परिवर्तित एवं बदले हुए स्वरूप में आया था । धार्मिकता आध्यात्मिकता तथा त्याग व ममता को व्यापक भौतिकवादी दृष्टिकोण से काफी नुकसान पहुंचा है। पश्चात विचारधारा के संपर्क में आने से परंपराओं के प्रति मोह धीरे-धीरे कम होने लगा एवं नई वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली सोच के कारण भाग्य वाद के प्रति आस्था उत्पन्न होने लगी। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन के आंतरिक गुणों आदर्श नैतिकता,बुद्धि आदि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। और इन घटकों पर नवीन शिक्षा पद्धति का व्यापक प्रभाव पड़ा है। अंग्रेज भारत को ऐसा वर्ग विशेष बनाना चाहते थे, जो जन्म और रंग से तो पूर्वी हों, पर अन्य सभी दृष्टिकोण से सब अंग्रेज बने रहें। भारत का उच्च वर्ग या अमीर तबका, राजा, महाराजा,नवाब धीरे-धीरे अंग्रेजी शिक्षा के गुलाम होते चले गए,और पाश्चात्य संस्कृति की ओर झुकते गए। भारतीय संस्कृति को विस्मृत करने में यही उच्च वर्ग या अमीर लोग काफी हद तक जिम्मेदार है। यह लोग अंग्रेजियत की नकल करने लगे,तथा भारतीय समाज धर्म दर्शन में इनकी कोई रूचि अविश्वास नहीं रहने लगा था। और इनकी नकल में इनके मातहत, सिपहसालार भी उसी रंग में डूबने लगे थे। धीरे धीरे पश्चिमी सभ्यता ने भारतीय संस्कृति पर अपना व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया था।

पश्चिमी संस्कृति का वृहद अध्ययन करने वाले भारतीय विद्वानों ने पश्चिम की ओर इस अंधे आकर्षण का खुलकर विरोध भी किया था। इन्हीं विद्वानों ने भारतीय जनमानस को अपनी शक्ति और धर्म में विश्वास करने की प्रेरणा देकर उनका मार्गदर्शन किया था। तत्पश्चात भारतीय शोधकर्ताओं ने पश्चिम सभ्यता तथा उसकी शिक्षा का व्यापक परीक्षण शुरू कर दिया था। और इन्हीं शोधकर्ताओं और विद्वानों की अथक मेहनत से प्राचीन परंपराओं में सर्वश्रेष्ठ का चयन कर एवं पाश्चात्य दर्शन की श्रेष्ठ धारणाओं को मिलाकर एक नए दर्शन को समाज के सामने प्रस्तुत किया था। भारतीय विद्वानों, शोधकर्ताओं एवं विचारकों ने प्राचीन भारतीय कुप्रथा जैसे छुआछूत, पर्दा प्रथा,बहु विवाह, बाल विवाह, देवदासी प्रथा एवं महिला शिक्षा, तथा निरक्षरता के विरोध में अभियान चलाकर सामाजिक चेतना का आह्वान किया था। पर पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर भारतीय समाज में नैतिक विचारों में परिवर्तन की शुरुआत हुई। इस परिवर्तन के साथ भारतीय जनमानस के रहन-सहन खानपान, वेशभूषा,विवाह समारोह, आचार विचार, शिष्टाचार तथा व्यवहार में पाश्चात्य शिक्षा की झलक दिखाई देने लगी। जाति प्रथा के कठोर नियम ढीले पड़ने लगे। बाल विवाह प्रथा में बेहद कमी आने लगी। पश्चात दर्शन ने भारतीय संस्कृति में जीवंत एवं चरित्र को एक नया बदलाव दिया था। पाश्चात्य संस्कृति में धीरे-धीरे भारतीय रहन-सहन रीति-रिवाज प्रथाओं को प्रभावित किया। ड्रेसिंग सेंस, खान पान,बोलने चालने तथा अभिवादन के तरीकों में बड़े परिवर्तन हुए। वेस्टर्न पद्धति से संस्कृति शिक्षा विचारधाराओं ने भारत को दुनिया के राष्ट्रीय जीवन के संपर्क में ला खड़ा किया था। देश के अंदर विभिन्न अलग-अलग विचारधाराओं के समूहों को एक सांस्कृतिक समानता के मंच पर लाकर खड़ा किया। और इसी सांस्कृतिक समानता ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एकता और राष्ट्रीयता की नई मिसाल स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रदान की थी। विहंगम दृष्टिकोण से देखा जाए तो पाश्चात्य दर्शन ने भारतीय परंपरा रीति रिवाज में महत्वपूर्ण सुधार लाने की एक नई पहल की थी। प्राचीन परंपराओं के फल स्वरुप भारतीय जनमानस को रीति-रिवाजों एवं पाखंडी पन ने जीवन में जंजीर बनकर जकड़ रखा था। संस्कृति तथा कुप्रथाओं ने स्वतंत्र विचारों को मस्तिष्क में ही कैद कर लिया था ।एवं आमजन का जीना मुश्किल हो गया था। प्रभाव तथा कुरीतियों से सबसे ज्यादा सजा महिलाएं बालिकाएं तथा बच्चों को ही मिल रही थी। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन ने शिक्षा धर्म तथा आदर्शों के मूल्यों में सुधार लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। पाश्चात्य शिक्षा से अंधविश्वास के बदले बुद्धि विवेक और तर्क ने वैज्ञानिक विचारधारा के हिसाब से जीवन यापन करने की पद्धति से अवगत कराया था। पाश्चात्य शिक्षा तथा दर्शन के कारण ही भारत में ईसाई धर्म समाज की स्थापना हो पाई थी। ईसाइयत का भारत में जन्म अंग्रेजों के आने के बाद ही हुआ था। पाश्चात्य सभ्यता एवं शिक्षा से भारतीय महिलाओं पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। उनकी शिक्षा-दीक्षा रहन सहन तथा व्यवहार में काफी परिवर्तन आया तथा भारतीय महिलाओं ने खुली हवा में सांस लेने के अवसर भी तलाशना शुरू कर दिया था। और आज भारत में महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर पुरुषों के साथ हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं।

प्रभा श्री-काव्य गोष्ठी में साहित्यकारों की रौनक बरकरार

वाराणसी(काशी),30 अक्टूबर 2023। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन (काशी) के संयुक्त तत्वावधान में पूरी भव्यता के साथ एक और कवि सम्मेलन संपन्न हुआ। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) के संस्थापक एवं वरिष्ठ साहित्यकार राजसागर, संस्कार प्रभा की निदेशक प्रख्यात साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती (मुंबई) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन की निदेशक जानी मानी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) के संयुक्त प्रयासों से हर रविवार को होने वाले ऑनलाइन कवि सम्मेलन में देश के ही नहीं अपितु विदेशों से भी अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकारों का प्रतिभाग रहा करता है। साथ ही नवांकुरों को मंच प्रदान कर उनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने का भी कार्य किया जाता है। इस सप्ताह कवि सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के नाम विवेक कवीश्वर (दिल्ली), समीर तिवारी (बस्ती), कृष्णा राजपुरोहित (नई दिल्ली), अंजू रंजन (लखनऊ) सभी ने अपनी अप्रतिम रचनाओं से अद्भुत काव्य की धारा बहायी। सबने भावुकता के साथ (कीर्तिशेष) पुष्पा अवस्थी स्वाती जी को काव्य के श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विविध विधाओं में सभी ने विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ किया। साथ ही साथ सभी ने एक स्वर में प्रभा श्री के इस अद्भुत अनवरत मंच की भूरी भूरी प्रशंसा की । मंच की श्रेष्ठ और सफलतम संचालिका कोकिलकंठी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) की रचना के उपरांत माहौल अप्रतिम रूप से मंत्रमुग्ध करने लगा। मुंबई की जानी मानी वरिष्ठ साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती के बहुमूल्य आशीर्वचन की छत्रछाया में उनके उद्देश्य को पूरित करने का लक्ष्य लिए हुए प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) ने बताया कि विगत चार वर्षों में सौ किताबें प्रकाशित की जा चुकीं, तथा मंच पर 10 हज़ार से अधिक

रचनाकार प्रतिभाग करते हुए सम्मानित हो चुके द्य यह मंच पूर्णतः उनके पिता स्वश्र प्रभा शंकर अवस्थी जी एवं माँ स्वाती जी को समर्पित है। प्रभा श्री ग्रुप के अंतर्गत सभी कार्य उनकी स्मृति में उन्हीं की प्रेरणा से आयोजित किये जाते हैं, प्रभा श्री की प्रभा अंधेरों से उजालों की ओर बढ़ने को प्रेरित करती है, नकारात्मकता में भी सकारात्मकता का प्रसार करती है। इसी प्रकार तालियों के बीच प्रियंका गीत के ही द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह मंच साप्ताहिक है, प्रतिभाग करने के इच्छुक कवि प्रियंका ÷गीत÷ जी से संपर्क कर सकते हैं।

देश के आम आदमी की चिंता कौन करेगा ?

आवारा पशुओं के कारण देश में दुर्घटनाएं बढ रही हैं।इन दुर्टनाओं में बड़ी तादाद में वाहन चालक या पैदल मर रहे हैं। मरने से कई गुना ज्यादा घायल हो रहे हैं किंतु किसी को इनकी चिंता नही। चिंता है तो सड़कों और गली में घूमने वाले आवारा पशुओं की । जब भी सड़क के इन पशुओं के विरूद्ध कार्रवाई की बात होती है, तो इन पशुओं के कल्याण में लगे संगठन विरोध में उतर आते हैं।वे सड़क के पशुओं की बात करते हैं।उनकी चिंता करते हैं।इनसे टकराकर मरने और घायल होने वालों की चिंता किसी को नहीं। आखिर सड़क पर चलने वाले पैदल या वाहन चालक की सुरक्षा और उसके अधिकार की भी कौन करेगा?उनकी भी तो बात होनी चाहिए। उनकी सुरक्षाकी चिंता भी की जान चाहिए।उनकी हिफाजत की भी तो चिंता की जानी चाहिए।

दो साल पुरानी सरकारी जानकारी के अनुसार देश में 2.03 करोड़ लावारिस पशु हैं।इनके हमले से हर दिन तीन व्यक्तियों की मौत होती है। 3 साल में 38,00 लोगों ने गंवाई। देश में आवारा पशुओं के हमलों से रोजाना होने वाली मौतों को लेकर केंद्र सरकार ने फरवरी में एक रिपोर्ट तैयार की। साल 2019 की गणना के हिसाब से देश में आवारा पशुओं की संख्या 2.03 करोड़ आंकी गई है।देश के महानगरों में सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण आवारा कुत्ते, गाय और चूहे जैसे जानवर हैं। यह बात अग्रणी टेक-फर्स्ट बीमा प्रदाता कंपनी एको की 'एको एक्सीडेंट इंडेक्स 2022' रिपोर्ट में सामने आई ।रिपोर्ट के अनुसार, देश में सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण जानवर थे, खासकर चेन्नई में जानवरों के कारण सबसे अधिक तीन प्रतिशत से ज्यादा दुर्घटनाएं दर्ज हुई हैं।इसमें कहा गया है कि दिल्ली और बेंगलुरु में जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या दो प्रतिशत थी। देश के महानगरों में जानवरों के कारण होने वाले दुर्घटनाओं में कुत्तों के कारण 58.4 प्रतिशत तथा इसके बाद 25.4 प्रतिशत दुर्घटनाएं गायों के कारण हुई।रिपोर्ट के अनुसार, 'आश्चर्यजनक बात यह है कि चूहों के कारण 11.6 प्रतिशत दुर्घटनाएं हुई।कंपनी के अनुसार, इस दुर्घटना सूचकांक में बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, और मुंबई सहित मुख्य महानगरों में हुई दुर्घटनाओं का विवरण दिया गया है। ये कागजी आंकड़े हैं।ये महानगरों के हालात हैं। गांव में इन दुर्घटनाओं में मौत और घायलों का आंकड़ा और भी कई गुना ज्याद होगा।

अभी देश की प्रमुख चाय कंपनियों में से एक वाघ बकरी चाय के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पराग देसाई का निधन हो गया है। मीडिया खबरों के मुताबिक 49 साल के पराग पिछले हफ्ते अहमदाबाद में मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इस दौरान आवारा कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया। खुद को बचाने में वह फिसलकर गिर गए और उन्हें ब्रेन हेमरेज हो गया था। उनका अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। ये बड़े आदमी थे, इसलिए खबरों में आ गए, गांव देहात में तो कोई इस और ध्यान भी नही देता। हाल में उत्तर प्रदेश के मथुरा में एक बच्चे को गाय ने हमला करके घायल कर दिया ।

उत्तर प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह भी मानते हैं कि उत्तर प्रदेश में चार लाख से ज्यादा आवारा पशु हैं, जिन्हें अभी गौशाला भेजना बाकी है। हालाकि गौशालाओं में पहले ही दो लाख से ज्यादा गौंवश मौजूद है। हरियाणा में सड़कों पर घूम रहे गोवंश के कारण रूप में हर माह 10 लोग जान गंवा रहे हैं।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय ने पिछले साल संसद में हुए एक सवाल का जवाब देते हुए बताया था कि 2019, 2020, 2021 और 2022 में देश में लोगों पर कुत्तों के कुल कितने हमले हुए हैं। इस जवाब के अनुसार, साल 2019 में 72 लाख 77 हजार 523 कुत्तों के हमले रिपोर्ट हुए। वहीं साल 2020 में कुल 46 लाख 33 हजार 493 कुत्तों के हमलों रिपोर्ट हुए, जबकि साल 2021 में कुल 1701133 कुत्तों के काटने के मामले रिपोर्ट हुए।

वहीं साल 2022, जुलाई तक भारतीय लोगों पर हुए कुत्तों के हमले की कुल संख्या स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, 14 लाख 50 हजार 666 थी। इन हमलों में कई लोगों ने अपनी जान भी गंवाई है। ये हमले आवारा और पालतू दोनों कुत्तों के हैं। इसके साथ ही इन हमलों के शिकार, बच्चे, बुजुर्ग और जवान तीनों हुए हैं।

आवारा कुत्तों के काटने से आपको रेबीज नाम की बीमारी हो जाती है। ये बीमारी इतनी घातक होती है कि अगर समय पर इसका इलाज नहीं कराया गया तो मरीज की मौत भी हो सकती है। साल 2018 में मेडिकल जर्नल लैंसेट में छापी इस रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में हर साल 20 हज़ार लोग रेबीज के कारण मरते हैं. इनमें से ज्यादातर रेबीज के मामले कुत्तों द्वारा इंसानों तक पहुंचे हैं।ऐसा नहीं है कि हर कुत्ते के काटने से आपको रेबीज हो सकता है, लेकिन ज्यादातर आवारा कुत्तों के काटने से रेबीज का खतरा रहता है। कुत्तों के इन हमलों के सबसे ज्यादा शिकार छोटे बच्चे और जवान होते हैं।

दिल्ली और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में तो हिंदुओं के गाय प्रेम का पशुपालक अनुचित लाभ उठा रहे हैं। वे सवेरे दूध निकालकर अपने पालतू गाय को चरने के लिए खुला छोड़ देते हैं।ये गाय सड़क और गलियों में घूमकर अपना पेट भरते हैं।कई बार नागरिक इनके हमले के शिकार हो जाते हैं। पालतू कुत्ते भी मालिकों की लापरवाही के कारण लोगों पर हमले करते रहते हैं।

दो साल पहले केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आवारा पशुओं जिनमें गौवंश और विशेष तौर पर कुत्ते शामिल हैं, उन्हें पकड़ कर पशु चिकित्सक द्वारा पशु पालन विभाग के अधिकारियों की देखरेख में मेडिकल जांच कराने और बीमार होने पर इलाज कराने को कहा गया है। उन्हें अलग-अलग संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए अनिवार्य वैक्सीनेशन कराने के लिए भी कहा गया है। वैक्सीनेशन पशुओं के माध्यम से इंसानों को होने वाले संक्रमण से भी बचाएगा।

राज्यों को यह भी कहा गया है कि वह ऐसे लोगों की पहचान करें, जो बीमार या काम लायक न रहने पर अपने पशुओं को बेसहारा छोड़ देते हैं। ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाए। कानून के तहत ऐसे मामलों में 6 महीने से लेकर 1 साल तक की सजा का प्रावधान है।राज्यों को पशु हेल्पलाइन बनाने के निर्देश राज्यों को शिकायत तंत्र और पशु हेल्पलाइन बनाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कहा गया कि कोई आवारा पशु जैसे कुत्ता पागल हो गया है तो उससे रेबीज की मात्रा अधिक मिलती है, तो उसे तब तक अलग रखा जाए, जब तक उसकी मौत न हो जाए। आवारा कुत्ते को संक्रामक बीमारी है और एक पशु से दूसरे पशु या इंसानों में होने का खतरा है और इलाज संभव नहीं है, तो ऐसे संक्रमित जानवरों को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म करने के भी निर्देश दिए गए हैं।केंद्र के ये निर्देश ,निर्देश ही बन कर रह गए। किसी को इनके क्रियान्वयन का ध्यान नही आया।

आवारा गौवंश के लिए उत्तर प्रदेश में सरकारी स्तर पर गौशालाएं खोली गई हैं।ये गौशालाएं नगर निगम , नगरपालिका और नगर पंचायत स्तर पर खुली हैं।आवारा गौवंश पकड़कर इनमें रखा जाता है। इन गौशालाओं की जगह पशुशाला खुलनी चाहिएं। इनमें गाय, बैल,गधा,घोड़ा कुत्ता, बिल्ली जैसे आवारा पशु पकड़कर रखे जाएं। देश की नगर ,गांव और सड़कें आवारा पशुओं से बिल्कुल मुक्त होनी चाहिए। ऐसा होगा तो आम अदमी और वहन चालक गली, मुहल्लों, नगरों और सडकों पर सुरक्षित होंगे।

-अशोक मधुप-

बेबस हो रहा विज्ञान

आज बेबसी का आलम ये है कि
विज्ञान कुतर्कों के आगे हांफ रहा,
मानसिक धतूरे ने ऐसा जकड़ा
कि बंदा जमीन नाप रहा,
हर तरफ जयकारा है,
विज्ञान बन गया बेचारा है,
अनपढ़ या फिर पढ़ा लिखा व्यक्ति
एक झटके में बाबा बन जा रहा है,
विज्ञान के बनाये माइक पकड़
टी वी पर विज्ञान को गरिया रहा है,
रही सही कसर वैज्ञानिक पूरा कर रहे,
प्रयोग से पहले
पूजा पाठ का धतूरा धर रहे,
संविधान में वर्णित शब्द
वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना
अपना भविष्य सोच आंसू बहा रहा,
जिसे धत्ता बता आदमी गंगा नहा रहा,
क्या जनता, क्या सरकार,
और व्यवस्था के कारिंदे,
सब नजर आ रहे धार्मिक बाशिंदे,
मां में मां नहीं
जानवरों में मां दिख रहा,
पैदा होते ही बच्चा धर्म सीख रहा
अदालतें कोरी
कथाओं के नजीरें दे रहे,
इंसानियत,भाईचारा के बीच
लकीरें दे रहे,
रंग भी धार्मिक हो रहा,
सहिष्णुता,नैतिकता कहीं सो रहा,
मौलाना फतवे दे रहा,
सन्यासी सुपारी दे रहा,
अंधश्रद्धा में डूबा व्यक्ति
लहू की पिचकारी दे रहा,
डर है विज्ञान क्रोधित न हो जाये,
फिर नागासाकी और
हिरोशिमा न दोहराये।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ

जंगल में शिक्षा

बने हेड मास्टर भालू जी,
हिंदी अध्यापक हाथी।
बड़े प्रेम से पढ़ते सारे,
बन कर रहते सब साथी।।
एक तरफ बैठे हैं पक्षी,
एक तरफ चूहा बिल्ली।
जब-जब पुस्तक कुतरे चूहा,
उड़ जाती उसकी खिल्ली।।
देखो उल्लू चश्मा पहने,
अनुशासन समझाता है।
नियम तोड़ते गर पशु-पक्षी,
उनको सजा सुनाता है।।
शांत बैठते गिल्लू चींटी,
प्यार सभी से करते हैं।
शेर दहाड़े जब जोरो से,
जंगल वासी डरते हैं।।
नीलगाय अरु बंदर कछुआ, इनकी
रहती है टोली।
मैना तोता कोयल बुलबुल,
मीठी सी इनकी बोली।।
खेल खेलते हैं आपस में,
मिलकर धूम मचाते हैं।
छोटे-छोटे कीट पतंगे,उड़ कर
नाच दिखाते हैं।।
मानव जैसा भेद न करते,
बनकर रहते हैं सच्चे।
सीखो अच्छी बातें इनसे, बन जाओ
अच्छे बच्चे।।

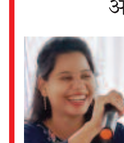

प्रिया देवांगन
प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

चुनाव के आय हावय ग बेरा

चुनाव के आय हावय ग बेरा
मुख्या बने लगावत हावे फेरा
अतक दिन ले कहाँ रिहिन हे
अब घर-घर कुटत हे छेरछेरा।
अब जनता होगे हे भगवान
गोढ़-मुढ़ म चढ़य, फुल-पान
गाँव- गरीब-कमिया, मन के
लगाए अब,इहिच मन ध्यान।
रंग-रंग के गाड़ी ह,आवत हे
खोर-गली म धुर्रा,उड़ावत हे
कईसे देख लालच धरावत हे
चोंगा-डीजे हर चीचयावत हे।
चुनाव म एमन,बनथे सिधवा
चुनाव बाद बन, जाथे गिधवा
पाँच साल फेर कोंथय-निछय
बन जाथे फेर बघवा बिखवा।
वोट बर का उदिम नई करहीं
दारु-कूकरी,रूपया हर बंटही
कीमती हमर वोट ल खरीदही
फेर इही मन ह मालिक बनही।
कीमती हे वोट समझे ल परही
तभे योग्य,दक्ष ह मुख्या बनही
लाँगा-धुंगा-अलाल,ह निपटही
अउ जन-जन के सेवा ल करही।

अशोक पटेल
आशु
मेघा-धमतरी
छत्तीसगढ़.

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

CMYK

कांग्रेस ने नामांकन रैली के बहाने जोरदार किया शक्ति प्रदर्शन

प्रेमनगर से आप और जोगी कांग्रेस पार्टी ने नही भरा नामांकन...

टी.एस.बोले हाथ जोड़ कर मनाएंगे

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन के आज आखिरी दिन यहां भारी गहमागहमी का माहौल रहा एक ओर जहां कांग्रेस ने नामांकन रैली के बहाने ताकत दिखाई तो वहीं आप व अन्य निर्दलीय उम्मीदवारो ने भी बाजे गाजे के साथ नामांकन दाखिल कर एहसास कराया कि चुनाव में वे भी दमखम दिखाने वाले है।सोमवार को प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र से राजेश कुमार जगते,दुबराज सिंह,जगलाल सिंह व भूलन ने नामांकन पत्र लिया है जबकि राजेश कुमार,विमलेश दत्त तिवारी, भूलन ,सन्तोष विश्वकर्मा, कोतमा,अंगद श्रीवास, खेलसाय सिंह ,टीलेश्वरी,वीरेंद्र कुमार आदि ने नामांकन दाखिल किया है। इसी तरह भटगांव विधानसभा क्षेत्र से मोतीलाल पैकरा, पारसनाथ राजवाड़े, लक्ष्मी राजवाड़े, आलम सिंह, समय लाल पाटिल,पारस राजवाड़े, अशोक कुमार राजवाड़े, कपिल देव पैकरा,दिलीप कुमार यादव, अमर नाथ सिंह,नरेन्द्र साहू,संदीप कुमार कुशवाहा ,मोहित राम राजवाड़े,सुरेन्द्र गुप्ता,अजय कुमार कुशवाहा उषा गुप्ता,प्रदीप कुमार,कलावती सारथीं,सोनूलाल भगत,राजेश कुमार जायस,धर्मेन्द्र कुमार,कौशल राजवाड़े आदि ने नामंकन दाखिल किया है।जबकि समय लाल पाटिल व पारस राजवाड़े ने नामांकन दाखिल किया है। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से रामदेव जगते ,देवकुमारी आयाम, राजकुमारी मरावी, शकुन्तला पैकरा, देवसाय पोया,गीता सोन्हा,आशा देवी पोया, सीताराम पण्डो, राजकुमारी सिंह,मंजीत सिंह श्याम,रामनारायण सिंह आदि ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन लेने वालों में जगमोहन सिंह, श्यामसुंदर, नेनेन्द्र सिंह शामिल है।

कांग्रेस ने दिखाई ताकत...

नामांकन के अंतिम दिन रैली के बहाने कांग्रेस ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया।रंगमंच मैदान से तीनों विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी रैली के साथ केलेक्ट्रेट पहुँचे जहाँ अपना अपना नामांकन दाखिल किया । इस दौरान रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक मौजूद थे।भाजपा की रैली से लोग आंकलन करते हुए कांग्रेस की रैली को भाजपा से 20 होने का दावा कर रहे थे।हालात यह थी सभी सड़को पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जमावड़ा था।जिससे यातयात व्यवस्था बनाने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ रही थी।रैली में उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव,अजजा आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद थे।इसी दौरान आप,बसपा सहित कई निर्दलीय भी पूरे दमखम के साथ नामांकन दाखिल करने पहुँचे थे।जिससे पूरे दिन जिला मुख्यालय में गहमागहमी की स्थिति बनी रही।

बगावत से पहले मान गए विन्की बाबा

जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व डिप्टी सीएम के चचेरे भाई विन्देश्वर शरण सिंह देव काफी माहौल बनाये हुए थे कि वे प्रेमनगर विधानसभा से इस बार दो दो हाथ करेंगे ही।इस बीच आज आखिरी दिन रामानुजनगर पैलेस में बड़ी संख्या में उनके समर्थक जुटे थे,उम्मीद थी कि वे आज नामांकन दाखिल करेंगे लेकिन ऐन मौके पर उन्होंने नामांकन दाखिल करने से इंकार कर दिया जिससे उनके समर्थक बेहद मायूस है।बताया जाता है कि उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की समझाइश पर उन्होंने चुनाव में उतरने के फैसले को वापस ले लिया है।

जरूरत पड़ी तो हाथ जोड़ कर मनाएंगे...

इधर नामांकन रैली में शामिल होने आए उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने मीडिया के एक सवाल जवाब में कहा कि नाराज लोगो को जरूरत पड़ी तो हाथ जोड़कर,कंधे पर हाथ रख कर मनाएंगे।उन्हें बताया जाएगा कि भावना में बह कर लिया गया फैसला उचित नही होता है।पार्टी हित मे सभी को मिलजुल कर काम करते हुए पार्टी प्रत्याशी को जिताने के लिए काम करना होगा।

जोगी कांग्रेस के उम्मीदवार ने नही भरा नामांकन...

प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए सूरजपुर जनपद अध्यक्ष जगलाल सिंह देहाती को अपना उम्मीदवार घोषित किया था।जगलाल सिंह ने नामांकन पत्र लिया भी पर उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया ही नही, जो आज चर्चा का सबब रहा।इससे जोगी कांग्रेस मैदान से बाहर हो गई है।

आप भी बाहर...

प्रेमनगर से आप पार्टी के मैदान में उतरने की चर्चा थी।चर्चा तो यह भी था कि आप पार्टी से विन्की बाबा उम्मीदवार हो सकते है।लेकिन विन्की बाबा के चुनाव मैदान में नही उतरने से आप ने किसी दूसरे को भी अपना उम्मीदवार घोषित नही किया जिससे वह भी चुनावी मैदान से बाहर हो गई है।

रंगोली,नृत्य और नुक्कड़ नाटक के जरिए शत प्रतिशत मतदान हेतु मतदाताओं को किया गया प्रेरित

- » कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक सरगुजा मेडिकल कॉलेज में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुए शामिल
- » स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन हेतु दिलायी शपथ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में शत-प्रतिशत मतदान हेतु स्वीप सरगुजा द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा की उपस्थिति में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर रंगोली, सांस्कृतिक नृत्य, नुक्कड़ नाटक और कविता जैसी गतिविधियों के जरिए मतदाताओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार, स्वीप के नोडल तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नूतन कुमार कंवर तथा सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी सहित मेडिकल कॉलेज की टीम उपस्थित थी।

कार्यक्रम में कलेक्टर कुंदन ने सभी को मतदान के महत्व को बताते हुए कहा कि चुनाव में सभी मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है और कोई मतदाता ना छूटे, आपका एक-एक वोट लोकतंत्र के महापर्व में आपकी सहभागिता सुनिश्चित करेगी। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों से मेडिकल की पढ़ाई करने आए छात्र-छात्राओं से मतदान दिवस पर अपने मत का इस्तेमाल करने की अपील की। पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने शत प्रतिशत मतदान हेतु सभी को प्रेरित किया।

इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन ने स्वीप गतिविधियों के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी को शपथ दिलाया। कलेक्टर ने निर्वाचन में लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए लोकतांत्रिक मर्यादा बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा बनाए रखते हुए किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का उपयोग करने की शपथ दिलाई।

चालक को आई मिर्गी,अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने रौंदे कई दोपहिया वाहन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के सदर रोड में सोमवार की शाम एक बड़ी हादसा टल गई। सदर रोड की ओर से महामाया चौक की ओर आ रहे स्कॉर्पियो सवार को अचानक मिर्गी का दौरा पड़ गया। इससे वाहन अनियंत्रित हो गया और सडक़ किनारे खड़े करीब एक दर्जन दोपहिया वाहन को रौंदते हुए कुछ दूर तक चला गया। एक दो पहिया वाहन स्कॉर्पियो के नीचे फंस गया इससे वाहन रूक गई नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस दौरान लगभग एक दर्जन से अधिक दो पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। सभी लोग अपने-अपने बाइक व स्कूटी को दुकान के बाहर खड़ा कर खरीदारी कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो क्रामांक सीजी 15 सीएल 2153 का चालक सदर रोड से होते हुए महामाया चौक की ओर जा रहा था। कदमी चौक के पास पहुंचा ही था कि वाहन चालक को अचानक मिर्गी का दौरा आ गया। इससे स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गया। अनियंत्रित वाहन ने सडक़ किनारे खड़े दोपहिया वाहन को रौंदते हुए कुछ दूर तक चला गया। इस दौरान एक दो पहिया वाहन अनियंत्रित स्कॉपियो के नीचे जाकर फंस गया। इससे वाहन रूक गई। तब तक सडक़ पर अफरा-तफरी मच गई। गुस्साए लोगों ने वाहन चालक के पास पहुंचे तो उसकी स्थिति को देखकर दंग रह गए। कई लोगों ने शराब पीकर वाहन चलाने का अनुमान लगाते हुए उग्र होने लगे। तब तक स्कॉर्पियो चालक होश में आ गया और मिर्गी का दौरा पडऩे की बात बताई। तब जाकर भीड़ शांत हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने ले गई। इस दौरान अनियंत्रित स्कॉर्पियो की चपेट में आने से एक युवक का पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया।

6 लाख 51 हजार 353 मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्या का फैसला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जिले में 30 संगवारी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इन मतदान केन्द्रों में मतदान दल और सुरक्षा बल सहित अन्य स्टाफ महिलाएं होंगी। संगवारी मतदान केन्द्रों पर महिलाएं ही पीठासीन अधिकारी और मतदान से संबंधित अन्य कार्य करेंगी। इन मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी महिला सुरक्षा बल को सौंपी जाएंगी। वहीं हर विधानसभा में 1-1 दिव्यांग व युवा मतदान केन्द्र बनाए जाएंगे। उक्त जानकारी कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर 2023 के तिथि के अनुसार जिले में कुल 6 लाख 51 हजार 353 मतदाता हैं। जिसमें पुरूष 3 लाख 22 हजार 69 व महिला 3 लाख 29 हजार 267 हैं। थर्ड जेण्डरों की संख्या 17 है। इसी तरह युवा मतदाता की बात करें तो जिले में 18-19 वर्ष के मतदाताओं की संख्या 24 हजार 2 सौ 87 है। वहीं 20-29 वर्ष के 1 लाख 55 हजार 8 सौ 57 है। कुल युवा मतदाताओं की संख्या 1 लाख 80 हजार 144 है। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जिले में 30 संगवारी मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। जिसमें हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 संगवारी मतदान केन्द्र बनाए जाएंगे। इन मतदान केन्द्रों पर इन मतदान केन्द्रों में मतदान दल और सुरक्षा बल सहित अन्य स्टाफ महिलाएं होंगी। संगवारी मतदान केन्द्रों पर महिलाएं ही पीठासीन अधिकारी और मतदान से संबंधित अन्य कार्य करेंगी। इन मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी महिला सुरक्षा बल को सौंपी जाएंगी। इसी तरह तीनों विधानसभा क्षेत्र में 1-1 दिव्यांग मदान केन्द्र बनाए जाएंगे। इसी तरह तीनों विधानसभा क्षेत्र में 1-1 युवा मतदान केन्द्र बनाए जाएंगे। यहां भी सभी मतदान कर्मचारी 20-29 वर्ष के आयु वर्ग की ड्यूटी लगाई जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। जिसमें कंट्रोल रूप टेलीफोन के माध्यम से आचार संहिता लगने के बाद 5 शिकायतें प्राप्त हुई थी। इसी तरह एनजीआरएस के माध्यम से 8, सीएमएस के माध्यम से 14 शिकायतें प्राप्त हुई थी। जिसे निराकरण कर लिया गया है। ऑलाइन शिकायों की संख्या 8 है। जिसमें 7 शिकायतों का निराकरण कर लिया गया है। वहीं सी विजील के माध्यम से 24 शिकायतें प्राप्त हुई है। जिसमें 18 ड्रॉप है। 6 निराकरण कर लिया गया है। विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू है। आचार संहिता को पालन कराने के लिए जिला निर्वाचन द्वारा उडऩदास्ता दल का गठन किया गया है। उडऩदस्ता दल ने कार्रवाई करते हुए अब तक 70 लाख का शराब, 17 लाख 38 हजार 297 रुपए के वैलू का ड्रग्स सहित अन्य सामान जब्त कए गए हैं। कुल 42 लाख 68 हजार वैलू का सामान जब्त किया गया है।

अज्ञात बाइक की टक्कर से घायल युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

अज्ञात बाइक की टक्कर से एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कुवल साय उम्र 40 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम चेन्द्रा का रहने वाला था। 24 अक्टूबर की शाम को चेन्द्रा मेन रोड में अज्ञात बाइक ने उसे टक्कर मार दिया था। इससे वह गंभीरा रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सडक़ दुर्घटना में घायल युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

बसदेई रोड में 25 अक्टूबर को बाइक सवार अनियंत्रित होकर खेत में गिर गए थे। जिसमें एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। जबकि इसका चचेरा भाई को मामूली चोट आई थी। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राजेश पिता शिव प्रसाद उम्र 30 वर्ष रघुनाथनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कमलपुर का रहने वाला था। वह 25 अक्टूबर को अपने चचेरे भाई छोटू के साथ बाइक से शिवप्रसाद नगर दशहरा कार्यक्रम देखने गया था। वापस आने के दौरान ग्राम बंजा बसदई रोड स्थित नाला के पास बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों खेत में गिर गए। इससे राजेश गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। जबकि छोटू को मामूली चोट आई थी। राजेश को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जनसमर्थकों के साथ रैली निकालकर भाजपा प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा की ओर से अंबिकापुर विधानसभा से राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा से प्रबोध मिंज व सीतापुर से रामकुमार टोप्पो ने नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन सोमवार को जनसमर्थकों के साथ रैली निकाल कर नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मुख्य रूप से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं जिला चुनाव प्रभारी डॉ. आशा लकड़ा, झारखंड विधायक एवं संभागीय चुनाव प्रभारी अनंत ओझा उपस्थित थे। नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद बाबूलाल मरांडी ने कलाकेन्द्र मैदान में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब-जब भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनती है तब तब विकास होता है और जब-जब कांग्रेस की सरकार बनती है तब केवल लूट और भ्रष्टाचार की चर्चा होती है। जिस राज्य का मुख्यमंत्री ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो उसे राज्य के गरीबों को न्याय और अधिकार कभी नहीं मिल सकता। इस अवसर पर डॉक्टर आशा लकड़ा ने कहा कि बढ़ाना है देश और समाज को आगे बढ़ाना है तो भाजपा को लाना होगा, सरगुजा की जनता परिवर्तन चाहती है, अब 17 नवंबर को जनता इस पर मोहर लगाएगी।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने कहा कि पिछले 5 साल में सरगुजा में किए गए भ्रष्टाचार के आरोपी केवल भूपेश बघेल नहीं बल्कि अमरजीत भगत और प्रेमसाय भी हैं, कांग्रेस ने तीन में से दो मंत्रियों को टिकिट दिया है, अब सरगुजा की जनता को दोनों मंत्रियों को हरा कर घर में बैठाना है। इस अवसर पर डॉक्टर आशा लकड़ा ने कहा कि बढ़ाना है देश और समाज को आगे बढ़ाना है तो भाजपा को लाना होगा, सरगुजा की जनता परिवर्तन चाहती है, अब 17 नवंबर को जनता इस पर मोहर लगाएगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने कहा कि पिछले 5 साल में सरगुजा में किए गए भ्रष्टाचार के आरोपी केवल भूपेश बघेल नहीं बल्कि अमरजीत भगत और प्रेमसाय भी हैं, कांग्रेस ने तीन में से दो मंत्रियों को टिकिट दिया है, अब सरगुजा की जनता को दोनों मंत्रियों को हरा कर घर में बैठाना है। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी प्रबोध मिंज ने कहा कि ये न्याय और अन्याय की लड़ाई है, भ्रष्टचारी कांग्रेस के खिलाफ तीनों भाजपा प्रत्याशी मैदान में हैं और जनता के आशीर्वाद से हम ये लड़ाई जीतेंगे। सभा को संबोधित करते हुए अंबिकापुर विधानसभा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव अंबिकापुर विधानसभा में अपना एक काम गिनाएं जिससे आम जनता को गर्व हो, विधायक के रूप में पूरे पांच साल जनता से दूर रहे, जनता के दुःख दर्द से उनको कोई लेना देना नही था, वो तो अपनी कुर्सी की लड़ाई में लगे रहे। जनता इस बार सबक सिखाएगी। रिसोर्स पर सीतापुर विधानसभा प्रत्याशी रामकुमार टोप्पो ने कहा कि मेरे सीतापुर विधान सभा में सुंदर पहाडियां, सुंदर झरने, नदी, खेत सब है, परंतु यहां के पूर्व विधायक ने जनता के छल कर सीतापुर को लुटा है, इसीलिए सीतापुर के भाई बहनों ने एक सैनिक को खून से पत्र लिख कर जनता की सेवा करने के लिए बुलाया है।

इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर अखिलेश सोनी, ज्योति भ्रमर, लाल शौर्यजीत सिंह, अनूप सिंहा, राजकुमार बंसल, विनोद हर्ष, डी के पुरिया, रोशन गुप्ता, विकास पांडे, विजय व्यापारी, संतोष दास, रूपेश दुबे, अभिषेक शर्मा, राजाराम भगत , गोपाल राम, काशीनाथ तिवारी, सावित्री जयसवाल, मनोज गुप्ता, मधुसुदन शुक्ला, रामकेश्वर राजवाड़े, अनिल सिंह, गोपाल सिन्हा, अंकित जयसवाल, विश्वविजय तोमर, राजेंद्र जयसवाल, रजनीश पांडे, श्रावण दास, रज्जू राम, बालनाथ यादव, महेंद्र सिंह, वैभव सिंह, संतोष द्विवेदी, दीपक तोमर, अंशुल श्रीवास्तव, वीरविक्रम सिंह, हरमिंदर टिन्नी, विशाल गोस्वामी, दुर्गा शंकर दास, शरद सिन्हा, देवकी त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में मंडल, बूथ तथा शक्तिकेंद्रो से आए भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हमास ने तीन महिला बंधकों का वीडियो जारी किया

इस्राइल बोला-आने वाले दिन लंबे और कठिन होंगे

गाजा,30 अक्टूबर 2023 । हमास-इस्राइल के बीच भीषण युद्ध जारी है। गाजा पट्टी स्थित हमास आतंकी समूह ने सात अक्तूबर को इस्राइल के पवित्र त्योहार के दिन पांच हजार रॉकेट दागे। जिसके बाद से ही दोनों के बीच युद्ध की शुरूआत हुई। हमास के अस्तित्व को खत्म करने की मंशा से इस्राइल ने भी गाजा पट्टी पर जमकर रॉकेट दागे। इस युद्ध में दोनों पक्षों से बड़ी संख्या में मौतें हुई।

सात अक्तूबर को हमास द्वारा की गई हरकत की दुनियाभर में आलोचना की गई। इस दौरान गाजा से सटी सीमा पर लगे फेंसिंग को तोड़कर हमास के आतंकी ने इस्राइल के शहरों में घुसपैठ की। इस दौरान कई लोगों को बंधक बनाया गया, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुई थी। हमास के आतंकी अब बंधक बनाए गए लोगों का सहारा ले रहे हैं। बंधकों के समय-समय पर हमास द्वारा वीडियो जारी किए जाते है। जाहिर है हमास वीडियो के जरिए इस्राइल की सेना पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

हमास ने फिर से एक ताजा वीडियो साझा किया है। जिसमें सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के दौरान बंधक बनाई गई तीन महिलाओं को दिखाया गया है। जिसमें इस्राइल पीएम नेतन्याहू को संदेश देते हुए महिला को सुना गया। जिसमें बंधक बनाई महिला कहती है कि पीएम नेतन्याहू, हम जानते हैं कि युद्धविराम होना था,आपको हम सभी को रिहा करवाना था लेकिन ऐसा न हो सका।

एलोन लेवी बोले, अधिक राजनयिक समर्थन की चाह

इस्राइल-हमास युद्ध पर इस्राइल सरकार के प्रवक्ता एलोन लेवी ने कहा, आने वाले दिन ज्यादा कठिन होने वाले हैं। इस्राइल हमास को पूरी तरह ही खत्म कर देगा। कठिन समय पर भारत के समर्थन पर एलोन लेवी ने कहा, हम मित्रों और सहयोगियों से अधिक राजनयिक समर्थन चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा, हम भारत के समर्थन की सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री नेतन्याहू की बातचीत हुई है।

आईडीएफ टैंक गाजा शहर के मुख्य सड़कों पर मौजूद

दावा किया जा रहा है कि आईडीएफ टैंक गाजा शहर के मुख्य सड़कों पर पहुंच गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टैंकों को सलाह-अल-दीन मार्ग पर देखा गया, जो उत्तर में गाजा शहर को गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस से जोड़ता है। विशेषज्ञों की माने तो आईडीएफ धीरे-धीरे गाजा में अपने जमीनी ऑपरेशन का विस्तार कर रहा है। आईडीएफ ने कहा, गाजा पट्टी में चल रहे जमीनी ऑपरेशन में सैनिकों ने लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और ड्रोन को हमास पर हमला करने का निर्देश दिया गया है। टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलों ने चौकियों को भी ध्वस्त कर दिया। सेनाएं पिछले कुछ घंटों से गाजा पट्टी में अपना जमीनी अभियान जारी रखे हुए हैं।

मजलिस-ए-शूरा काउंसिल के 10वें कार्यकाल के लिए चुने गए 90 सदस्य, रिकॉर्ड 65.88 फीसदी हुआ मतदान

मस्कत (ओमान), 30 अक्टूबर 2023 । ओमान के मतदाताओं ने मजलिस-ए-शूरा काउंसिल के दसवें कार्यकाल (2023-2027) के लिए 90 प्रतिनिधियों को चुना, जिसमें सल्तनत भर से रिकॉर्ड 65.88 फीसदी मतदान हुआ। पहली बार देश में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान हुआ। इससे पहले मतपत्रों से ही चुनाव हुआ करते थे। इन चुनावों में यह दूसरी बार है जब सबसे अधिक मतदान हुआ है। 2011 में सातवें कार्यकाल के लिए हुए चुनाव 76 फीसदी मतदान हुआ था।

एक संवाददाता सम्मेलन में ओमान के गृह मंत्रालय ने सोमवार को शूरा काउंसिल के दसवें कार्यकाल के चुनावों के परिणामों की घोषणा की, जिसमें शानदार मतदान के बाद 90 सदस्य चुने गए। शूरा परिषद के दसवें कार्यकाल के लिए 843 उम्मीदवार चुनाव में उतरे थे, जिनमें से 90 को चुना गया है। इनमें 32 महिलाएं भी शामिल हैं।

सुबह आठ बजे से शाम सात बजे तक चली मतदान प्रक्रिया में मतदाताओं ने इलेक्ट्रॉनिक %इंतखिब% ऐप का इस्तेमाल किया और अपने पसंदीदा प्रतिनिधियों का चयन किया। ओमानी नागरिकों ने रविवार को अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए उत्साह के साथ वोट डालकर अपने दिन की शुरुआत की। गृह मंत्रालय के मुताबिक, कुल पंजीकृत मतदाताओं में से 65.88 फीसदी (496,279) ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, जिसमें से 52 फीसदी से अधिक पुरुष और 48 फीसदी से अधिक महिला मतदाता शामिल थे।

आखिर क्या है स्पॉन्ज बम?

हमास की सुरंगों पर इसका इस्तेमाल कर सकता है इस्राइल

तेल अवीव,30 अक्टूबर 2023। इस्राइल और हमास का भीषण युद्ध जारी है। हमास द्वारा गाजा पट्टी से सात अक्तूबर को ताबड़तोड़ पांच हजार रॉकेट दागे गए थे। जिसके बाद से ही दोनों के बीच जंग शुरु हो गई। हमास का अस्तित्व खत्म करने की मंशा से इस्राइल लगातार उनके ठिकानों पर मिसाइल दाग रहा है। गाजा स्थित आतंकी संगठन हमास ने बड़ी संख्या में बंकर और सुरंगों का निर्माण किया हुआ है। जिसके दम पर वह इतनी बड़ी हमले को अंजाम दे सकते। लेकिन अब इस्राइल इन सुरंगों को ही बंद करने की योजना बना रहा है। इस्राइल स्पॉन्ज बम के जरिए इन सुरंगों को हमेशा के लिए बंद कर देगा। आईये समझते हैं आखिर स्पॉन्ज बम क्या है?

हमास के सुरंगी ठिकानों पर इस्राइल की नजर

गाजा स्थित हमास आतंकी संगठन को तबाह करने की इस्राइल ने योजना बना दी है। इस्राइल अपने आधुनिक हथियारों के जरिए हमास पर जमकर हमले कर रहा है। जहां एक तरफ मिसाइल के माध्यम से इस्राइल उनके ठिकानों को निशाना बना रहा है, वहीं

अब वह गाजा स्थित उनके सुरंगों को बंद करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस्राइल स्पॉन्ज बम के जरिए इस कार्य को अंजाम देने की योजना बना रहा है।

क्या है स्पॉन्ज बम?

यह एक तरह का केमिकल आधारित बम है, जो झाग के रूप में निकलता है। केमिकल पदार्थ निकलने के बाद कुछ ही सेकेण्ड में यह झाग पत्थर की तरह कठोर हो जाता है। इसको एक बड़े प्लास्टिक बैग में रखा जाता है। इस बैग को खोलते ही यह तेजी से बाहर निकलता है। जिस स्थान पर इसे खोला जाता वहां पूरे इलाके में सेकेण्ड भर में फैल जाता है। इस्राइल अब इस स्पॉन्ज बम का उपयोग हमास के सुरंगी ठिकानों पर करने जा रहा है। यह एक खास तरह का बम है, जो फटता है लेकिन आवाज नहीं करता बल्कि ढेर सारा झाग निकालता है। साफ है सुरंगों पर इस तरह के बम का इस्तेमाल उन्हें पूरी तरह से बंद कर देगा। हालांकि इस्राइल के लिए यह चुनौती भरा है। क्योंकि इन्हीं सुरंगों की बदौलत आतंकी छुपकर भाग जाते हैं और वहां से छिपकर हमला करते हैं।

स्पॉन्ज बम कैसे करता है काम?

यह एक प्लास्टिक के बैग में होता है। जिसमें अलग-अलग तरह के केमिकल होते हैं। इन केमिकल को एक धातु की रॉड में रखा जाता है। जैसे ही रॉड को हटाया जात है वैसे ही सभी केमिकल आपस में प्रतिक्रिया करते हुए द्रवित पदार्थ का निर्माण करते हैं। जो हवा के संपर्क में आते ही तेजी से फैलने लगता है। गौरतलब है कि यह झाग बाहर आते ही एक सख्त पत्थर की तरह हो जाता है।

पहले भी हो चुका इस पदार्थ का इस्तेमाल

अमेरिकी सेना ने 90 के दशक में सोमालिया में दंगाइयों को रोकने के लिए अल्ट्रा स्टिकी झाग वाली गोलियों का इस्तेमाल किया था। खास बात यह थी कि इन गोलियों से निकलने वाला झाग दंगाईयों के हाथ और पैरों को अचल बना देता था। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया जाता था।

यहूदियों से भरे विमान के उतरने की अफवाह पर भड़की फलस्तीन समर्थक भीड़,दागेस्तान एयरपोर्ट में तोड़फोड़

दागेस्तान, 30 अक्टूबर 2023। रूस में रविवार को एक अजीबो गरीब घटना घटी। यहां इस्रालियों और यहूदियों की तलाश कर रही भीड़ ने दागेस्तान स्थित एक हवाई अड्डे पर कब्जा कर लिया। यह घटना इसलिए घटी क्योंकि अफवाह फैल गई थी कि यहूदियों से भरा विमान यहां उतरने वाला है। वहीं दागेस्तान के गवर्नर ने कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया में वायरल हो रही वीडियों में साफतौर पर देखा जा सकता है कि भीड़ किस तरह से धार्मिक नारे लगाकर दरवाजों और बैरिकेट को तोड़ रहे हैं। यहां तक कि कई रनवे पर जा पहुंचे। जिसके बाद रूस की विमानन एजेंसी रोसावियात्सिया ने घोषणा की कि इस हवाईअड्डे की तरफ आने वाली और जाने वाली उड़ानों को रद्द कर दिया गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि कई लोगों को चोटें आई हैं, लेकिन यह नहीं बताया गया कि कितने लोग या किसे चोट लगी है। वीडियो में एक प्रदर्शनकारी को तख्ती लिए देखा जा सकता है जिस पर लिखा है, दागेस्तान में बच्चों के हत्यारों के लिए कोई जगह नहीं है। अन्य वीडियो में हवाई अड्डे के टर्मिनल के अंदर भीड़ को दरवाजे तोड़ने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है क्योंकि स्टाफ के सदस्यों ने उन्हें रोकने की कोशिश की है।

इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय से रविवार शाम एक बयान में कहा, उम्मीद है कि रूसी अधिकारी सभी इस्राइली नागरिकों और सभी यहूदियों की रक्षा करेंगे और दंगाईयों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

भारतीय जवानों के सम्मान में बनाया जा रहा स्मारक, 1971 के मुक्ति युद्ध में शहीद सैनिकों को समर्पित

ढाका,30 अक्टूबर 2023। भारत-पाकिस्तान 1971 युद्ध में प्राण न्यौछावर करने वाले भारतीय सैनिकों के सम्मान में बांग्लादेश स्मारक बना रहा है। जिसको लेकर सोशल मीडिया और विशेषज्ञों की तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आई है। स्मारक का डिजाइन दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक है। बता दें स्मारक के डिजाइन में कई मूल विषयों को समाहित किया गया है। आईये समझते है कि बांग्लादेश में बनाए जा रहे स्मारक में क्या है खास?

मैत्रीय संबंध का प्रतीक सैन्य स्मारक

बांग्लादेश भारतीय सैनिकों को समर्पित अपने पहले युद्ध स्मारक की तैयारी में जुट चुका है। यह स्मारकीय भाव भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता है, जिनके अटूट प्रयासों ने 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस युद्ध स्मारक की आधारशिला मार्च 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेशी

समकक्ष शेख हसीना द्वारा रखी गई थी। भारत-बांग्लादेश सीमा के पास आशूगंज में चार एकड़ के विशाल विस्तार पर स्थित स्मारक स्थल ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह स्थान युद्ध के दौरान कई किस्सों को संजोए हुए हैं। 1,600 से अधिक शहीद भारतीय सैनिकों के नाम स्मारक की दीवारों पर उकेरे जाएंगे।

स्मारक का डिजाइन मित्रता का प्रतीक

स्मारक का डिजाइन दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक है। इसमें दोस्ती के मूल विषय का प्रतिनिधित्व करने वाली एक संरचना है, जो पसली पिंजरे की सुरक्षात्मक भूमिका, दिल और आत्मा की सुरक्षा का प्रतीक है। इस अवधारणा में %उड़ने वाले कबूतरों% को भी शामिल किया गया है, जो इन बहादुर सैनिकों के बलिदान के माध्यम से प्राप्त शांति का प्रतीक है। स्मारक को धरातल पर बनाने के लिए कई अन्य प्रमुख ने सहयोग है जिनमें स्मारक के प्रमुख डिजाइनर आसिफुर रहमान भुइयां, बांग्लादेश के लिबरेशन युद्ध मामलों के मंत्री एकेएम मोजम्मेल हक, 1971 के युद्ध के दौरान स्वतंत्रता सेनानी और मुक्ति युद्ध मंत्रालय के सचिव इशरत जहां शामिल हैं।

विधानसभा निर्वाचन 2023

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त समस्त प्रेक्षक पहुंचे अम्बिकापुर,कलेक्टर एवं एसपी ने किया स्वागत

» प्रेक्षकों से मिलने का समय एवं स्थान निर्धारित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले की समस्त विधानसभा क्षेत्रों हेतु प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिले में निर्वाचन कार्य हेतु नियुक्त सभी प्रेक्षक सोमवार को अम्बिकापुर पहुंच चुके हैं। समस्त प्रेक्षकों से मुलाकात कर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने उनका स्वागत किया।

इसी कड़ी में प्रेक्षकों से सम्पर्क करने हेतु मोबाइल नम्बर तथा मिलने का समय एवं स्थान निर्धारित किया गया है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09

लुण्ड्रा के सामान्य प्रेक्षक आईएएस बी सी सतीशा से मिलने का समय सुबह 10:00 से 11:00 बजे निर्धारित हैं, इनका संपर्क नम्बर 7587016680 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस रूपवंत सिंह से मिलने का समय सुबह 10:00 से 11:00 बजे है, इनका संपर्क नंबर 7587016681 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस पी कोटेश्वर राव से मिलने का समय दोपहर 3:30 से 5:30 बजे तक है, इनका संपर्क नंबर 7587016682 है।

निर्वाचन हेतु नियुक्त पुलिस प्रेक्षक आईपीएस अमित बरदार से मिलने का समय सुबह 11:00 से 12:00 बजे तक निर्धारित है, इनका संपर्क नम्बर 7587016683 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस विजय बहादुर वर्मा से मिलने का समय सुबह 10:00 से 11:00 बजे तक है, इनका सम्पर्क नम्बर 7587016492 है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस मंजूनाथ ए.एन. से मिलने का समय सुबह 10:00 से 12:00 बजे तक है, इनका सम्पर्क नम्बर 7587016493 है। सभी प्रेक्षकों से पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह अम्बिकापुर में मुलाकात की जा सकती है।

विधानसभा निर्वाचन हेतु नियुक्त प्रेक्षकों ने निर्वाचन कार्यों का लिया जायजा

» नामांकन कक्ष, निर्वाचन एवं एसपी कार्यालय,इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्य हेतु सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए सामान्य, पुलिस एवं व्यय प्रेक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिले में निर्वाचन कार्य हेतु नियुक्त विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री बी सी सतीशा, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस श्री रूपवंत सिंह, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के सामान्य प्रेक्षक आईएएस पी कोटेश्वर राव हैं। पुलिस प्रेक्षक आईपीएस अमित बरदार, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस विजय बहादुर वर्मा, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर के व्यय प्रेक्षक आईआरएस मंजूनाथ ए.एन. हैं। सोमवार को समस्त प्रेक्षकों से सर्किट हाउस में मिलकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान प्रेक्षकों ने जिला कलेक्टरेट परिसर में विधानसभा निर्वाचन हेतु निर्धारित नामांकन कक्षों का अवलोकन किया तथा रिटर्निंग अधिकारियों से नामांकन कार्य का जायजा लिया। इसके बाद प्रेक्षकों द्वारा कलेक्टर एवं एसपी के साथ में जिला कार्यालय परिसर में कंपोजिट बिल्डिंग एनेक्स का निरीक्षण किया। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एवं कमांड यूनिट में स्थापित एमसीएमसी कक्ष, कंट्रोल रूम, सी विजिल कक्ष, व्यय शाखा सहित अन्य कक्षों का अवलोकन कर निर्वाचन सम्बन्धी तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय, निर्वाचन कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नूतन कुमार कंवर, जिला स्तरीय अधिकारी और निर्वाचन से संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

CMYK

हमें तो अपनो ने लूटा गैरो में कहां दम था...क्या उनकी कश्ती वही डूबेगी जहां काका का दबदबा था...

क्या निज सहायक अपने मित्र के साथ मिलकर विधायक की राजनीति पर लगाएंगे ग्रहण?

सारे युवा कार्यकर्ता हुए दूर,पार्टी में ही दिख रहा विरोध,विपक्ष हुआ मजबूत

अंबिका सिंहदेव ने जैसा बोया वैसा ही काटेंगी जनता का यही है कहना

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

वर्ष 2018 में कोरिया जिले के शिल्पकार स्व.कुमार साहब की उत्तराधिकारी के तौर पर खुद को पेश कर राजनीति के मैदान में आई बैकुंठपुर विधायक एवं संसदीय सचिव को इस चुनाव में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, गलत सलाहकार उनके निज सहायक ने खुद के स्वार्थ में अपने मित्र के साथ मिलकर अंबिका सिंहदेव की राजनीति पर ही ग्रहण लगा दिया है, ऐसा लोगो का मानना है। कांग्रेसी नेताओं से लेकर पीड़ित कार्यकर्ता अब चैक चैराहो एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अंबिका सिंहदेव के निज सचिव भूपेंद्र सिंह और उनके परम मित्र ज्ञानेंद्र शुक्ला उर्फ जानी शुक्ला के खिलाफ खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। लोग जगह जगह अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। कहा जाता है राजनीति के मैदान में एक एक कदम भारी रहता है, अंबिका सिंहदेव ने अपने कार्यकाल में लोगो से जिस प्रकार का व्यवहार किया है उसे अब लोग भुनाने का प्रयास कर रहे हैं। आम जन का यही कहना है कि अंबिका सिंहदेव ने जैसा बीज बोया है वैसा ही काटेंगी, चुनाव भी ऐसे समय पर हो रहा है जब किसानो की खेत में धान पककर तैयार है और अब कटाई का समय आ चुका है।

बैकुंठपुर शहर में भी कमजोर हुई कांग्रेस

बैकुंठपुर शहर को कांग्रेस का गढ माना जाता था,हर चुनाव में कांग्रेस ने यहां से बढत ही ली है,लेकिन अंबिका सिंहदेव ने अपने कार्यकाल में जिस प्रकार शहर के लोगो के साथ अनदेखी किया है,कई लोग प्रताड़ना के शिकार हुए है,निज सहायक से लेकर उनके मित्र मंडली ने लोगो को परेशान और सत्ता का नशा दिखाया है उसके कारण अब बैकुंठपुर शहर में भी कांग्रेस कमजोर नजर आने लगी है, पूर्व पार्षद आफताब अहमद ने भी गत नपा चुनाव के बाद से कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था,उनका भी खुला विरोध अंबिका सिंहदेव से हो चुका है,मुश्लिम वोटो पर मजबूत पकड़ रखने वाले आफताब अहमद की नाराजगी के कारण कांग्रेस को मुश्लिम वोट का भी नुकसान हो सकता है।

सरपंच भी कर रहे विरोध

विधायक अंबिका सिंहदेव के कार्यकाल से क्षेत्र के सरपंच एवं अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी परेशान हैं, विधायक एवं अन्य निधि से ग्राम पंचायतो में निर्माण एवं अन्य कार्यो के लिए जिस प्रकार से निज सहायक ने हस्तक्षेप कर संरपचो को परेशान किया है उससे सरपंच भी नाराज बतलाये जाते हैं,कई ऐसे कार्य थे जो कि कमीशनखोरी के कारण नही हो सके या एकदम घटिया स्तर के हुए हैं,सरपंचो की नाराजगी भी कांग्रेस को भारी पड़ सकती है।

सारे जमीन दलालो को मिलता था निज सचिव का सहारा

कोरिया जिला के मुख्यालय बैकुंठपुर में जमीन दलालो ने किस प्रकार आतंक मचा रखा है वह किसी से छिपा नही है,आज जमीन यदि किसी बाबूलाल के नाम है तो कल किसी रामलाल के नाम पर हो जाती है, इस प्रकार का उदाहरण भी देखने को मिला है। जमीन दलालो ने शहर की हवा खराब कर के रख दी है,कई भू स्वामी आज इनसे प्रताड़ित हैं और चक्कर लगा रहे हैं। विश्वस्त सूत्रो का कहना है कि जमीन दलालो को विधायक के निज सहायक का पूरा समर्थन कमीशन पर मिलता था,जिससे कि जमीन दलाल डंके की चोट पर कोई भी काम करते थे। पूर्व में एक तहसीलदार ने भी निज सहायक की मदद से जमीन के मामले में खूब अफरा तफरी की है,बतलाया जाता है कि निज सहायक ने कई जगह पर दलालो के माध्यम से खूब जमीन भी बनाया है।

क्या हर जगह अंबिका सिंहदेव ने किया हस्तक्षेप...इसलिए ज्यादा विरोध?

पूरे 5 वर्ष विधायक अंबिका सिंहदेव ने हर जगह हस्तक्षेप किया है, जहां विरोध नही भी करना था वहां उनके द्वारा विरोध किया गया, पत्रकारों के खिलाफ भी उनके द्वारा कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। टेक्टर मालिको को तक नही बख्शा गया था, विपक्षी तो विपक्षी कांग्रेस के कार्यकर्ता भी उनसे परेशान होते रहे, कई अधिकारी कर्मचारी भी उनके टार्गेट में रहे। छोटे-छोटे मुद्दो को लेकर पुलिस में जबरन दबाव बनाया गया, अब यही कारण है कि प्रत्याशी बनाये जाने के बाद उनके पास कार्यकर्ता से लेकर आमजनो की दूरी हो गई है, जिस प्रकार से स्थिति देखने को मिल रहा है उसके अनुसार यह चुनाव पैलेस की राजनीति को समाप्त करने वाला है।

निज सहायक ने बर्बाद की अंबिका की राजनीति

जानकारों की मानें तो विधायक निर्वाचित होने के बाद अंबिका सिंहदेव ने विवादित पत्रकार रहे भूपेंद्र सिंह को अपना निज सहायक बनाया था,उस दौरान भी कई लोगो ने विरोध जताया था लेकिन उनकी नही सुनी गई,धीरे-धीरे निज सहायक ने अपने मित्र मंडली खासकर ज्ञानेंद्र शुक्ला उर्फ जानी शुक्ला को भी विधायक के करीब कर दिया,दोनो ने मिलकर सारे युवा कार्यकर्ता जिन्होने 2018 के चुनाव मे जी तोड़ मेहनत किया था उन्हे दूर कर दिया। बड़े नेताओं के बारे में भी भड़काकर अंबिका सिंहदेव से दूर किया। बड़े से लेकर छोटे कार्यकर्ता भी अब उनके करीब जाने से हिचक रहे हैं। निज सहायक ने पूरे पांच वर्ष अपने मित्र के साथ क्षेत्र में किस प्रकार का उत्पात मचाया है यह जनचर्चा है। पूरे क्षेत्र मे यह चर्चा का विषय है कि निज सहायक ने अपने मित्र के साथ अंबिका की राजनीति पर ग्रहण लगा दिया है।

कार्यकर्ताओ के लिए तरस रहीं अंबिका सिंहदेव

विधायक अंबिका सिंहदेव का अस्थायी निवास कोरिया पैलेस का एक कमरा है,जहां स्व.कुमार साहब रहा करते थे, कांग्रेस सूत्रो ने बतलाया कि चंद कार्यकर्ता और निज सहायक एवं उसके मित्र के अलावा पूर्व में दिखने वाली कार्यकर्ताओ की भीड़ भी पैलेस से गायब है। जो कार्यकर्ता दीदी, दीदी कहते फिरते थे आज वे दीदी तो गई, दीदी तो गई कहते घूम रहे हैं, अंबिका सिंहदेव के पास आज कार्यकर्ताओं की भारी कमी देखी जा रही है।

बैकुंठपुर से आशीष डबरे का गुट हुआ दूर,आशा महेश साहू भी विरोध में

गत चुनाव में यह जगजाहिर था कि आशीष डबरे गुट ने अंबिका सिंहदेव को जिताने के लिए काफी मेहनत किया था सारे युवा कार्यकर्ताओं को लेकर उन्होने सारे समीकरण सेट किये थे, अंबिका सिंहदेव के चुनाव जीतने के बाद कुछ समय तक तो आशीष डबरे खास बने रहे लेकिन धीरे-धीरे निज सहायक ने उन्हे भी दूर करा दिया। डबरे समेत उनका गुट आज अंबिका सिंहदेव से दूर दिखलाई दे रहा है,बैकुंठपुर जनपद पंचायत की उपाध्यक्ष आशा साहू की गिनती भी अब अंबिका सिंहदेव के विरोधियों में होने लगी है।

चरचा से अजीत लकड़ा,काजू सिंह दूर,सिर्फ भूपेंद्र पर विश्वास

कभी अंबिका सिंहदेव के खास रहे चरचा के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अजीत लकड़ा, युवक कांग्रेस के नेता काजू सिंह भी आज के दौर में अलग हो चुके हैं वे सिर्फ संगठन का काम करते हैं। शिवपुर चरचा नपाध्यक्ष पति भूपेंद्र यादव के ऊपर ही अंबिका सिंहदेव चरचा में आश्रित हैं देखना होगा वे अंबिका सिंहदेव के लिए कितना काम कर पाते हैं।

क्या भूपेंद्र की हुई भैयालाल राजवाड़े से मुलाकात?

जैसा कि अपुष्ट सूत्रों का कहना है कि विधायक अंबिका सिंहदेव के करीबी भूपेंद्र यादव की भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े से भी रात के अंधेरे में मुलाकात हुई है,कालरी के एक नेता ने इसके लिए मध्यस्तता की है जैसा कि जानकारी मिल रहा है।

योगेश,वेदांती ने भी किया किनारा

कोरिया जिले में कांग्रेस के बड़े नेताओं में योगेश शुक्ला और जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी का नाम सामने आता है,वे भी इस बार टिकट के लिए प्रयासरत थे। अंबिका सिंहदेव के विधायक बनने के बाद से ही दोनो नेताओं को हाशिये पर रखा गया था,सूत्रो ने बतलाया कि इन दोनो नेताओं ने अंबिका सिंहदेव के लिए चुनाव में काम करने से मना भी कर दिया है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के साथ चंद लोगो की टीम कर रही काम

कांग्रेस प्रत्याशी के लिए पूर्व में कभी इस प्रकार की बुरी स्थिति निर्मित नही रही,विगत दिनों प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव के स्वयं ना जाकर कांग्रेस प्रत्याशी एवं अन्य नेताओ से नामांकन फार्म क्रय कराया है। अंबिका सिंहदेव के लिए कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,बृजवासी तिवारी आदि नेताओं की टीम ही सक्रिय दिखलाई दे रही है। जबकि बैकुंठपुर शहर में ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की भरमार है ।

पुलिस की अवैध शराब पकड़ने को लेकर अनोखी कार्यवाही,शराब पकड़ी गई तीन अलग-अलग जगह लेकिन सभी मामलों में एक ही गवाह कैसे?

बैकुंठपुर पुलिस गवाह लेकर शराब पकड़ने जाति है कार्यवाही देखकर यही उठ दे सवाल

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,30 अक्टूबर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश सहित कोरिया जिले में भी आदर्श आचार संहिता प्रभावी है वहीं इस दौरान जिले की पुलिस भी काफी सक्रिय नजर आ रही है और लगातार वह गलत कार्यो पर कार्यवाही कर रही है वहीं पुलिस अवैध शराब मामले में भी लगातार कार्यवाही कर रही है। पुलिस की सक्रियता चुनाव के मद्देनजर बढ़ी हुई देखकर अब क्षेत्र में भी कानून व्यवस्था को लेकर लोग सजग हैं और अपने स्तर पर सभी यह ध्यान जरूर रख रहे हैं की उनसे कोई गलती न हो जिससे उन्हे कानूनी किसी मामले में फंसना पड़े। कोरिया पुलिस इस दौरान अवैध शराब परिवहन महुआ शराब निर्मित करना बेचना सहित शराब पीकर सार्वजनिक जगहों पर घूमने वालों पर गंभीरता से नजर रख रही है और ऐसा पाए जाने पर वह तत्काल कार्यवाही भी कर रही है।

इसी क्रम में बैकुंठपुर जिला मुख्यालय की पुलिस भी कार्यवाही कर रही है बैकुंठपुर पुलिस अवैध शराब परिवहन, महुआ शराब निर्मित करना बेचना सहित शराब सार्वजनिक स्थान पर पीना या पीकर घूमने वालों पर सख्ती से कार्यवाही कर रही है, वहीं यह लगातार जारी कार्यवाही भी है, लेकिन इस तरह की कार्यवाही के दौरान पुलिस कुछ ऐसा भी कर जा रही है जो सवाल खड़े करने वाले मामले बन जा रहे हैं और जिनको लेकर सवाल उठने लगते हैं,इसी क्रम में बैकुंठपुर पुलिस ने तीन कार्यवाही की है जो एक ही दिन की गई कार्यवाही हैं जिसमे तीन अलग अलग जगहों पर एक ही क्षेत्र के पुलिस कार्यवाही करती है और जिसमे दो मामलों में वह महुआ शराब जब्ती करती है और तीसरे

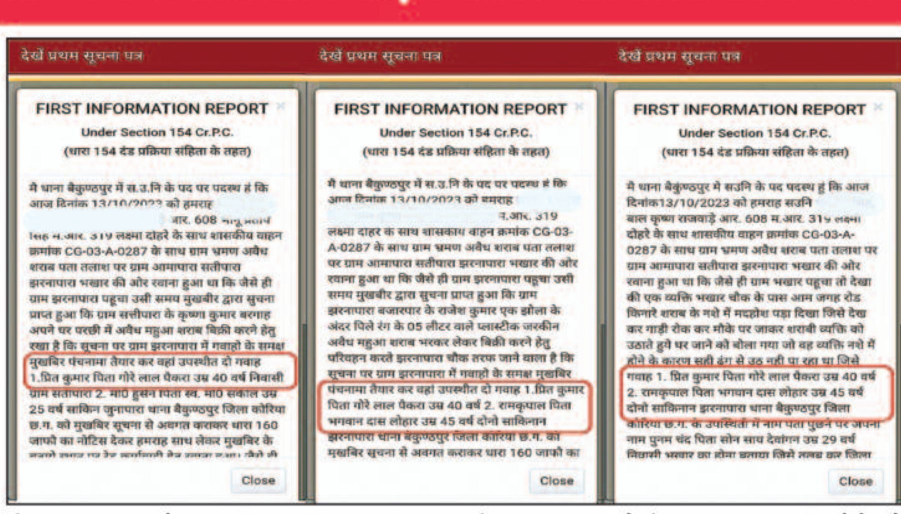
देखें प्रथम सूचना पत्र | देखें प्रथम सूचना पत्र | देखें प्रथम सूचना पत्र

FIRST INFORMATION REPORT
Under Section 154 Cr.P.C.
(धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत)
मै थाना बैकुण्ठपुर में स.उ.नि के पद पर पदस्थ हूं कि आज दिनांक 13/10/2023 को हमराह [illegible] आर. 608 [illegible] म.आर. 319 लक्ष्मा दोहरे के साथ शासकीय वाहन क्रमांक CG-03-A-0287 के साथ ग्राम भ्रमण अवैध शराब पता तलाश पर ग्राम आमापारा सत्तीपारा झरनापारा भखार की ओर रवाना हुआ था कि जैसे ही ग्राम झरनापारा पहुचा उसी समय मुखबीर द्वारा सुचना प्राप्त हुआ कि ग्राम सत्तीपारा के कृष्णा कुमार बरगाह अपने घर परछी में अवैध महुआ शराब बिक्री करने हेतु रखा है कि सूचना पर ग्राम झरनापारा में गवाहो के समक्ष मुखबिर पंचनामा तैयार कर वहां उपस्थीत दो गवाह 1.प्रित कुमार पिता गोरे लाल पैकरा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सत्तीपारा 2. मो0 हुसन पिता स्व. मो0 सकील उम्र 25 वर्ष साकिन जुनापारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. को मुखबिर सूचना से अवगत कराकर धारा 160 जाफौ का नोटिस देकर हमराह साथ लेकर मुखबिर के [illegible]
Close

FIRST INFORMATION REPORT
Under Section 154 Cr.P.C.
(धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत)
मै थाना बैकुण्ठपुर में स.उ.नि के पद पर पदस्थ हूं कि आज दिनांक 13/10/2023 को हमराह [illegible] म.आर. 319 लक्ष्मा दोहरे के साथ शासकीय वाहन क्रमांक CG-03-A-0287 के साथ ग्राम भ्रमण अवैध शराब पता तलाश पर ग्राम आमापारा सतीपारा झरनापारा भखार की ओर रवाना हुआ था कि जैसे ही ग्राम झरनापारा पहुचा उसी समय मुखबीर द्वारा सुचना प्राप्त हुआ कि ग्राम झरनापारा बजारपार के राजेश कुमार एक झोला के अंदर पिले रंग के 05 लीटर वाले प्लास्टीक जरकीन अवैध महुआ शराब भरकर लेकर बिक्री करने हेतु परिवहन करते झरनापारा चौक तरफ जाने वाला है कि सूचना पर ग्राम झरनापारा में गवाहो के समक्ष मुखबिर पंचनामा तैयार कर वहां उपस्थीत दो गवाह 1.प्रित कुमार पिता गोरे लाल पैकरा उम्र 40 वर्ष 2. रामकृपाल पिता भगवान दास लोहार उम्र 45 वर्ष दोनो साकिनान झरनापारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. को मुखबिर सूचना से अवगत कराकर धारा 160 जाफौ का
Close

FIRST INFORMATION REPORT
Under Section 154 Cr.P.C.
(धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत)
मै थाना बैकुण्ठपुर मे सउनि के पद पदस्थ हु कि आज दिनांक13/10/2023 को हमराह सउनि [illegible] बाल कृष्ण राजवाड़े आर. 608 म.आर. 319 लक्ष्मा दोहरे के साथ शासकीय वाहन क्रमांक CG-03-A-0287 के साथ ग्राम भ्रमण अवैध शराब पता तलाश पर ग्राम आमापारा सतीपारा झरनापारा भखार की ओर रवाना हुआ था कि जैसे ही ग्राम भखार पहुचा तो देखा की एक व्यक्ति भखार चौक के पास आम जगह रोड किनारे शराब के नशे में मदहोश पड़ा दिखा जिसे देख कर गाड़ी रोक कर मौके पर जाकर शराबी व्यक्ति को उठाते हुये घर जाने को बोला गया जो वह व्यक्ति नशे में होने के कारण सही ढंग से उठ नही पा रहा था जिसे गवाह 1. प्रित कुमार पिता गोरे लाल पैकरा उम्र 40 वर्ष 2. रामकृपाल पिता भगवान दास लोहार उम्र 45 वर्ष दोनो साकिनान झरनापारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. के उपस्थिती में नाम पता पुछने पर अपना नाम पुनम चंद पिता सोन साय देवांगन उम्र 29 वर्ष निवासी भखार का होना बताया [illegible]
Close

में वह एक व्यक्ति को शराब पीकर सार्वजनिक जगह पर मदहोश पड़े रहने की स्थिति में पाती है और तीनो पर कार्यवाही करती है। कार्यवाही में पुलिस दो से महुआ शराब भी जब्त करती है और तीसरे को शराब पीकर सड़क किनारे पड़े होने सार्वजनिक जगह पर पड़े होने का दोषी पाती है और आबकारी एक्ट के तहत सभी पर कार्यवाही करती है वहीं पुलिस तीन कार्यवाहियों में कार्यवाही तो तीन अलग अलग लोगों पर करती है लेकिन सभी मामलों में वह गवाह एक ही लोगों को बनाती है जिससे सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अपने साथ क्या गवाह लेकर चलती है जो तत्काल गवाही दे देते हैं और पुलिस को गवाह ढूढने की जरूरत नहीं होती या पुलिस को हर मामले में गवाह मिल नहीं पाते इसलिए पुलिस एक ही तरह के गवाह एक ही लोगों को गवाह बनाती है? जिससे उसकी कार्यवाही सही साबित हो सके और वह अपने ऊपर के अधिकारियों को कार्यवाही दिखा सकें। वैसे माना जाता है की ऐसा इसीलिए होता है क्योंकि पुलिस कार्यवाही के दौरान गवाह तलाश नहीं पाती और वह कई मामलों में एक ही लोगों को गवाह बना देती है। वैसे कई मामलों में गवाह बनने वाले लोग बाद में अपनी गवाही मुकर भी जाते हैं और जिसके ऊपर अपराध दर्ज होता है वह आसानी से बच जाता है। अब यदि इस तरह सोचा जाए तो एक ही लोगों को कई मामलो मे गवाह बनाने के पीछे यही वजह तो नहीं यह भी समझा जा सकता है।

एक तरह के गवाह होने से मामले में अपराधी दोषी के बचने की ज्यादा संभावना

यदि एक ही तरह के कई मामले में गवाह भी एक ही तरह के हों एक ही लोग हों अपराधी दोषी के बचने की संभावना बढ़ जाती है। गवाह भी पुलिस के दबाव में गवाही दिए होते हैं और इसलिए वह पहली बार में ही मुकर जाते है ऐसा देखा गया है।

बैकुंठपुर पुलिस की तीन आबकारी एक्ट के तहत की गई तीन कार्यवाहियां

बैकुंठपुर पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत एक दिन में तीन कार्यवाहियां जो एक ही क्षेत्र एक ही ग्राम में की गई उनका विवरण इस प्रकार है, एक कार्यवाही ग्राम भखार की है जिसमे एक व्यक्ति भखार चौक के पास मदहोश शराब के नशे में पड़ा हुआ था जिसे पुलिस ने उठाकर मुलहायजा कराया शराब पीने की पुष्टि पाई और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर पड़े होने का दोषी मानकर कार्यवाही की, दूसरे मामले में ग्राम सत्तीपारा के कृष्णा कुमार बरगाह अपने घर की परछी में अवैध महुआ शराब रखा था जिसे पुलिस ने पकड़ा और आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की तीसरे मामले में बैकुंठपुर पुलिस ने ग्राम झरनापारा बाजार पारा के राजेश कुमार को एक झोले के अंदर पीले रंग के जरकिन में महुआ शराब बेचने के उद्देश्य से परिवहन करने का दोषी पाया और आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की,सभी मामले एक ही क्षेत्र के हैं और एक ही दिन के वहीं सभी मामलों में एक ही तरह के मामले पुलिस ने पंजीबद्ध किए।

तीनों मामलों के गवाह एक ही लोग

पुलिस ने ग्राम भखार,ग्राम सत्तीपारा,ग्राम झरनापारा में अलग अलग तीन कार्यवाही की सभी कार्यवाही आबकारी एक्ट के तहत की गई,सभी कार्यवाही जिन जगहों पर हुई सभी पुलिस के लिए एक ही मार्ग पर पड़ने वाले गांव थे लेकिन पुलिस ने सभी कार्यवाही में गवाह एक ही लोगों को बनाया है, जैसे पहली कार्यवाही जिसमे शराब पीकर सड़क पर व्यक्ति मिलता है उसमे गवाह दो हैं जिनके नाम प्रीत कुमार पिता गोरे लाल पैकरा उम्र 40 वर्ष,रामकृपाल पिता भगवान दास उम्र 45 वर्ष दोनो झरनापारा निवासी, दूसरे मामले में पुलिस ने दो गवाह ही बनाए हैं जिसमे एक प्रीत कुमार पिता गोरे लाल पैकरा ग्राम सत्तीपारा वहीं मो हुसैन पिता स्व मो सकील उम्र 25 वर्ष निवासी जुनापारा बैकुंठपुर को गवाह बनाया गया है, तीसरे मामले में गवाह जिन्हे बनाया गया है उनके नाम हैं प्रीत कुमार पिता गोरे लाल निवासी सत्तीपारा, रामकृपाल पिता भगवान दास निवासी झरनापारा तीनों मामलों को देखें तो तीनो में एक व्यक्ति तीनो मामलो में गवाह है एक दो मामलो में एक केवल एक मामले में गवाह है।

एक ही लोगों को कई मामलो में गवाह बनाना एक ही दिन की कार्यवाही में,क्या पुलिस उन्हे गवाह बनाने लेकर चलती है अपने साथ?

बैकुंठपुर पुलिस ने तीन मामलो में जो आबकारी एक्ट की कार्यवाही है तीनो में एक ही लोगों को गवाह बनाया है,सभी कार्यवाही एक ही दिन पुलिस ने की है अब सवाल यह उठता है की क्या पुलिस अपने साथ गवाह लेकर गाड़ी में घूमती है इसलिए एक ही लोगों का नाम हर मामले में है । क्या गवाह बनाने पुलिस को लोगों को लेकर घूमने की अनुमति है।

पुलिस क्या किसी असल मामलों में भी गवाह ढूंढ पाने में हो रही असफल इसलिए उसे गवाह लेकर खुद पड़ रहा चलना

ऐसे मामले से यह भी सवाल उठता है की क्या पुलिस असली मामलो में भी गवाह नहीं ढूंढ पा रही है इसलिए वह गवाह अब खुद लेकर चल रही है। यदि ऐसा है तो यह अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि ऐसे में अपराधी दोषी के बचने की संभावना प्रबल हो जाती है और कार्यवाही को लेकर भी संशय खड़ा हो जाता है।

75 वर्ष हो गए कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी के प्रत्याशी को हमारे समाज के लोगों ने विधायक बनाया: श्याम सिंह

भरतपुर सोनहत गोगपा प्रत्याशी ने लगाया आरोप कहा भाजपा एवं कांग्रेस ने सिर्फ क्षेत्र वासियों को ठगा

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से गोगपा प्रत्याशी श्याम सिंह मरकाम ने रविवार को ग्राम पंचायत चनवारीडान्ड एवं बौरीडान्ड के ग्राम वासियों से जन संपर्क कर चनवारीडान्ड एवं बौरीडान्ड में बैठक की इस दौरान श्याम सिंह मरकाम ने ग्राम वासियों से कहा कि 75 वर्ष हो गए कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी के प्रत्यासी को हमारे समाज के लोगों ने विधायक बनाया। छत्तीसगढ़ राज्य में समाज के 28 विधायक वर्तमान कांग्रेस सरकार में बने हुए हैं विधायक बनने के बाद क्या समाज के गरीबों का कोई सुध लिए? एक गरीब मजदूर 36000 रुपया के लिए भूख हड़ताल में बैठा रहा लेकिन कोई देखने भी नहीं आया। वर्तमान विधायक गुलाब कमरों के कारनामे कई अखबारों में पढ़ने को मिल रहा है। जो कभी खुद को किसान का बेटा कहते रहे आज वो विधायक हुए करोड़पति अब मीडिया भी निष्पक्ष खबर दिखा रहा है। श्री मरकाम ने केंद्रीय मंत्री को लेकर कहा कि क्या प्रदेश में भाजपा प्रत्यशों की कमी है? केंद्रीय मंत्री को भरतपुर सोनहत से विधायक बनने से क्या हमारे समाज और क्षेत्र के ग्राम वासियों का भला होगा? अब कोई विकल्प नहीं है गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एवं बहुजन समाज पार्टी का संयुक्त गठबंधन हुआ है छत्तीसगढ़ में हम सरकार बनाने जा रहे हैं। अब जनता जाग चुकी है दोनों पार्टियों को बाहर का रास्ता दिखाएंगे छत्तीसगढ़ में गोगपा एवं बसपा मिलकर सरकार बनाएंगे।

हांथी घोड़ा कहीं भी किसी भी दल में रह लूंगा कांग्रेस में कभी नहीं लौटूंगा...

कहने वाले बड़बोले नेता की पुनःकांग्रेस पार्टी में वापसी

अपनी ही जुबान से पलटने में माहिर हो गए हैं आजकल राजनीति से जुड़े लोग...जबान की अपनी कीमत ही भुला बैठे नेता

पार्षद पत्नी भतीजे के साथ लौटे कांग्रेस में कांग्रेस प्रत्याशी की नामांकन रैली के दौरान कराई गई घर वापसी

उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव के सामने खड़े होकर पुनः कांग्रेसी होने की दी गवाही,बैकुंठपुर से कांग्रेस प्रत्याशी भी रही मौजूद

बैकुंठपुर विधानसभा की जिम्मेदारी सम्हाल रहे जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में आए दानिश रफीक के प्रयासों से हुई आफताब अहमद छोटे खान की घर वापसी

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

हांथी घोड़ा कहीं भी रह लूंगा कांग्रेस में नहीं रहूंगा कहने वाले बड़बोले पूर्व कांग्रेसी नेता आफताब अहमद छोटे खान जिन्होंने नगरपालिका चुनाव में अध्यक्ष पद का दावेदार न बनाए जाने के कारण नाराज होकर कांग्रेस छोड़ दी थी ने बैकुंठपुर कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन के दिन खुद से आकर फिर कांग्रेस का दामन थाम लिया और अब वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। आफताब अहमद उर्फ छोटे खान को जैसा की माना जा रहा था और सूत्रों से पता भी चल रहा था की अंबिकापुर के एक हाल ही में जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में शामिल हुए नेता दानिश रफीक अपनी गिरफ्त में लेने का प्रयास कर रहे हैं और वह उन्हे कांग्रेस में वापस ले ही आयेंगे और हुआ भी वैसा ही कांग्रेस में कभी वापसी नहीं करने का बोलकर कांग्रेस छोड़कर गए आफताब अहमद छोटे खान ने कांग्रेस में फिर से वापसी कर ली। आफताब अहमद छोटे खान की वापसी भी बेहद दिलचप्स रही वह जिस कद का नेता खुद को मानते थे उसके विपरीत हुई क्योंकि उनकी वापसी कराने वाले नेताओं में से अधिकांश वह नजर आए जो जोगी कांग्रेस में जाकर एक चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी की हार के लिए प्रयास करने के बाद कांग्रेस में खुद वापसी की है और उन्ही लोगों ने आफताब अहमद को उप मुख्यमंत्री के कोरिया जिला आगमन पर हेलीपैड ले जाकर गले में कांग्रेस चिन्ह का गमछा उप मुख्यमंत्री से डलवा दिया और जिसके बाद उनकी वापसी कांग्रेस में मान ली गई। आफताब अहमद छोटे खान की कांग्रेस वापसी के बाद ही यह भी तय हो गया की उनकी पार्षद पत्नी साथ ही उनके भतीजे जो भी पार्षद हैं की भी वापसी हो गई क्योंकि दोनो छोटे खान की वजह से ही कांग्रेस से दूर हुए थे और अब फिर वह कांग्रेस में शामिल हुए तो वह भी शामिल मान लिए गए। आफताब अहमद छोटे खान की कांग्रेस वापसी के बाद अब बैकुंठपुर शहर में कांग्रेस के मजबूत होने का दावा किया जा रहा है क्योंकि माना जाता है की वह एक बड़े वोट बैंक के मालिक हैं और वह उधर ही पड़ता है जिधर आफताब खान का इशारा होता है।

मुस्लिम वोटों में भी लगी सेंध,कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने 4 लोगों को दिखाया पार्टी से बाहर का रास्ता

बैकुंठपुर में कांग्रेस अध्यक्ष भी नहीं बना पाई

कांग्रेस से बाहर जाने वालों ने कहा हांथी घोड़ा किसी दल में रह लेंगे,अब कांग्रेस से हुआ मोह भंग

- रवि सिंह -

बैकुण्ठपुर 02 जनवरी 2022 (घटती-घटना)। पूर्ण बहुमत के बावजूद बैकुंठपुर नगरपालिका में सत्ताधारी कांग्रेस अपना अध्यक्ष नहीं बना सकी। अध्यक्ष पद से हांथ तो कांग्रेस ने धोया ही वहीं अब बैकुंठपुर विधानसभा में एक बहोत बड़े वोट बैंक को लेकर भी विधानसभा चुनाव के पूर्व पार्टी के लिए बुरी खबर है जो विधानसभा चुनावों में पार्टी का शायद ही साथ दे यह भी तय नजर आ रहा है। बैकुंठपुर में मुस्लिम समुदाय के आफ़ताब अहमद, सहित दो मुस्लिम पार्षदों व एक अन्य को आज कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखाते हुए 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया और इसका परिणाम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा जो अभी से नजर आ रहा है।

बैकुंठपुर नगरपालिका में अध्यक्ष पद के लिए कई महिला उम्मीदवारों के बीच एक मुस्लिम महिला भी उम्मीदवार बतौर अपना दावा प्रस्तुत कर रहीं थीं और यह दावा उनके पति जो कि दो बार से बैकुंठपुर में कांग्रेस के पार्षद स्वयं रह चुके हैं और इस चुनाव में वह दो-दो वार्डों में अपनी पत्नी और अपने भतीजे के रूप में जीत दर्ज कर दो पार्षदों के साथ अपना दावा प्रस्तुत कर रहे थे और उनका दावा मजबूत भी था और जिसे स्वीकार नहीं किये जाने की स्थिति में उन्होंने सीधे सीधे बगावत कर दी और अपने दोनों पार्षदों सहित उन्होंने ऐलान कर दिया कि वह कांग्रेस के अध्यक्ष पद प्रत्यासी को मत नहीं देंगे वहीं वह अब कांग्रेस में रहेंगे भी नहीं। आफ़ताब अहमद की इस घोषणा के बाद नगरपालिका बैकुंठपुर में अध्यक्ष पद का चुनाव भले ही भाजपा जीत गई लेकिन अध्यक्ष पद पर भाजपा की जीत का पूरा श्रेय आफ़ताब अहमद ले गए और उनके समर्थन में बहोत बड़ा हुजूम जुटा हुआ नजर आया। आफताब अहमद ने यह भी घोषणा कर दी कि वह हांथी घोड़ा किसी भी दल में जाएंगे लेकिन अब कांग्रेस में नहीं रहेगें यह अब तय है। कांग्रेस ने आफताब अहमद सहित 3 लोगों को भले ही पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया लेकिन इसका नुकसान कांग्रेस को ही होना है यह भी अब तय है क्योंकि यह मुस्लिम कार्यकर्ताओं का निष्कासन है और मुस्लिम पार्षद को अध्यक्ष नहीं बनाए जाने को लेकर विरोध का असर है। कांग्रेस की गलत नीतियों जो कि नगरपालिका बैकुंठपुर चुनाव में अपनाई गई उससे एक बात और तय हो गई कि आने वाले विधानसभा चुनाव में बैकुंठपुर में कम से कम मुस्लिम मतदाताओं की नाराजगी कांग्रेस के हिस्से आएगी और भाजपा को सीधा फायदा होगा यह भी निश्चित हो गया है।

उप मुख्यमंत्री के सामने हेलीपैड पर पुनः कराई गई छोटे खान की कांग्रेस वापसी,गले में गमछा डालकर बनाए गए कांग्रेसी

आफताब अहमद छोटे खान की कांग्रेस वापसी बैकुंठपुर से कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव के नामांकन दिवस कराई गई वह भी हेलीपैड में वापसी कराई गई जहां उप मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे,छोटे खान को राह चलते ही उप मुख्यमंत्री ने एक कांग्रेस चिन्ह का गमछा पहना दिया और उन्हे कांग्रेस में वापस मान लिया गया,माना जा रहा था की पहले मंच पर कांग्रेस में वापसी कराई जानी थी लेकिन उप मुख्यमंत्री मंच पर गए ही नहीं वह सीधे नामांकन के लिए रैली में शामिल हो गए और यही वजह हुई जो छोटे खान को रास्ते चलते कांग्रेस में प्रवेश करा दिया गया।

राजनीति में जबान की कीमत कुछ नहीं, स्वार्थ से बढ़कर सिद्धांत नहीं देखा जाता रहा है

आफताब अहमद की कांग्रेस पार्टी में वापसी के बाद यह स्पष्ट हो गया की राजनीति में न तो जबान की कीमत होती है और न सिद्धांत कोई नेता लेकर चलता है सबकुछ निज स्वार्थ तक सीमित मामला रहता है जैसे ही स्वार्थ पूर्ति का एहसास होने लगता है वैसे ही सब कुछ छोड़कर जबान सिद्धांत नेता स्वार्थ से जुड़ जाते हैं और अपना हित साधने में ही रत हो जाते हैं,वह यह भी भूल जाते हैं की उन्होंने जो जबान दी थी उसे लोग याद रखे हुए हैं और उनके पलटी मारने को लेकर लोग उनके स्वार्थ मामले से ही जोड़ेंगे मात्र।

आफताब की कांग्रेस में वापसी के दौरान यह लोग रहे मौजूद

आफताब अहमद छोटे खान की कांग्रेस वापसी के दौरान मुख्य सूत्रधार अंबिकापुर के दानिश रफीक मौजूद रहे वहीं इस दौरान विकास श्रीवास्तव,रियाज कुरैशी सहित विधायक एवम कांग्रेस जिलाध्यक्ष भी मौजूद रहे।मुख्य सूत्रधार दानिश रफीक जहां आफताब अहमद को लेकर सबसे आगे नजर आए वहीं अन्य ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

क्या मुस्लिम मतदाताओं नेताओं को मनाने और उनकी नाराजगी दूर करने की जिम्मेदारी अंबिकापुर के दानिश रफीक सम्हालने वाले हैं?

सरगुजा से कोरिया के बैकुंठपुर विधानसभा की जिम्मेदारी सम्हालने पहुंचे दानिश रफीक पहले से ही इसी चक्कर में लगे हुए थे की किसी तरह वह आफताब अहमद की घर वापसी करा सकें और वह ऐसा करा पाने में सफल हुए वरना जैसा आफताब अहमद कहकर गए थे कोंग्रेस से की हांथी घोड़ा कहीं जाऊंगा कांग्रेस में नहीं रहूंगा लगता नही था वह लौटेंगे वैसे राजनीति में सबकुछ जायज है राजनीति में जिधर बम उधर हम वाली कहावत काफी ज्यादा देखने और समझने को मिलती है उनकी पार्टी में वापसी कराने वाले भी कभी जोगी कांग्रेस में थे जब उधर लाभ की संभावना कम हुई कांग्रेस में लौट आए और अब दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं। वैसे अब एक मामले में बैकुंठपुर विधानसभा का समीकरण कांग्रेस को लेकर तय हो गया वह यह की मुस्लिम मतदाताओं नेताओं को मनाने और उनकी नाराजगी दूर करने के लिए अंबिकापुर के दानिश रफीक जिम्मेदारी सम्हालने वाले हैं और वह मुस्लिम मतदाताओं को कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में करने का हर प्रयास करेंगे क्योंकि समुदाय की नाराजगी पार्टी से कभी नहीं रही विधायक से नाराजगी बनी हुई है जिसे वह धीरे धीरे दूर कर चुनाव तक पक्ष में लाने का प्रयास करेंगे जिसमे वह सफल हो चुके हैं यह माना भी जा रहा है।

आप प्रत्याशी डॉ. आकाश कुमार को मिल रहा जन समर्थन

क्या तीसरे विकल्प की तैयारी में बैकुंठपुर विधानसभा की जनता ने बना रही मन

कांग्रेस और भाजपा दोनों से नाराज वर्ग के लिए डॉ आकाश कुमार बन सकते हैं अच्छे विकल्प

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

जैसे-जैसे ठंड धीमे-धीमे दस्तक दे रही है, वैसे ही चुनावी सरगर्मियां भी तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। चौक, चौराहे, नुक्कड़, ठेले, खोमचे सभी जगह जनता आने वाले विधानसभा चुनाव, राजनीतिक पार्टियों द्वारा तय किये गये प्रत्याशी और विगत कार्यकाल के खट्टे, मीठे, कड़वे अनुभवों को साझा कर रही है। विधानसभा चुनाव 2023 छत्तीसगढ़ में चुनावी उफान पुरे शबाब पर है। और बैकुंठपुर विधानसभा क्रमांक 3 जो पूरे राज्य के लिए हाई प्रोफाइल सीट बना हुआ है, यहां सत्ता सुख भोग चुकी भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के प्रत्याशियों द्वारा जहां पार्टी के अन्य दावेदारों को मनाने की कवायद की जा रही है, वहीं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक तीन में देश की तीसरी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी आम आदमी पार्टी ने भी पुरजोर तरीके से अपनी दस्तक दी है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के बीच आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी डॉ आकाश कुमार भी पूरे दम खम के साथ मैदान में डटे हुए हैं।

जहां एक ओर भाजपा और कांग्रेस में टिकट के लिए दावेदारों की पूरी फौज थी, और टिकट के घोषणा के बाद असंतुष्ट नेताओं की फौज अभी भी विद्यमान है। जिससे दोनों पार्टियों में भीतरघात का खतरा बराबर बना हुआ है। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों के प्रत्याशी अपने ही पार्टी के नेताओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे, क्योंकि उन्हें चारों ओर से भीतरघात का डर सता रहा है।

पार्टी प्रत्याशी नाराज नेताओं को अपनी ओर मिलाने और उनकी नाराजगी दूर करने में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी और अन्य क्षेत्रीय पार्टियों के प्रत्याशियों को इस बात का कोई खतरा नहीं है कि उनके साथ भीतरघात हो सकता है। यही कारण है कि आप प्रत्याशी जहां जन समर्थन के लिए लगातार दलबल के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं, अपना पूरा समय जनता के बीच बिता रहे हैं, वहीं भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी अपना आधा समय नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने में व्यतीत करते नजर आ रहे हैं।

तस्वीरें बयान कर रहे हैं जनता का प्रतिसाद

दोनों पार्टियों से नाराज साहू समाज के लिए बेहतर विकल्प

सरगुजा संभाग में साहू समाज के वोटरों की संख्या अत्यधिक है। इसी को आधार मानकर साहू समाज के नेतृत्वकर्ता, भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस दोनों पार्टियों से टिकट की दावेदारी की थी। परंतु दोनों राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों ने सरगुजा संभाग से किसी भी साहू समाज के व्यक्ति को टिकट नहीं दिया, जिससे समाज के नेतृत्वकर्ता और समाज के वोटर खासे नाराज हैं। अब परिस्थितियां ऐसी है कि उनके समक्ष तीसरी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी आम आदमी पार्टी का युवा एवं शिक्षित उम्मीदवार उनके लिए बेहतर विकल्प बन सकता है। साहू समाज यदि भाजपा और कांग्रेस को अपने कद का एहसास करने के लिए तीसरे विकल्प का चयन करता है तो निश्चित ही आने वाले समय में संभाग से साहू समाज के लिए भाजपा एवं कांग्रेस को सोचना ही पड़ेगा। ऐसे ही वे कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनता जो भाजपा और कांग्रेस दोनों से व्यथित हैं, उनके लिए आम आदमी पार्टी एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। जिसका परिणाम युवाओं का रुझान आम आदमी पार्टी की ओर सहज ही देखा जा रहा है।

तस्वीरों में डॉ आकाश कुमार के लिए जनसमर्थन की झलक दिखाई दे रही है

आम आदमी पार्टी प्रत्याशी डॉ आकाश जायसवाल सुबह से लेकर देर शाम तक लगातार विभिन्न गांव में जाकर लोगों से मिल रहे हैं। पार्टी की रीति-नीति और विचारधारा से लोगों को अभिप्रेरित कर रहे हैं, दिल्ली और पंजाब राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकारों द्वारा किए गए जनहितैषी कामों को गिना रहे हैं। साथ ही इस विधानसभा क्षेत्र में जो लक्ष्य लिए पार्टी प्रत्याशी मैदान में हैं, उसको लेकर जनता के बीच रूबरू हो रहे हैं। तस्वीरों में यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि डॉ आकाश जायसवाल को अच्छा खासा जन समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। क्षेत्र के लिए पार्टी भले नई हो, परंतु दिल्ली और पंजाब राज्य के प्रचंड बहुमत और बैकुंठपुर विधानसभा के प्रत्याशी का उच्च शिक्षित डॉक्टर होना भी युवाओं को काफी लुभा रहा है।

बांगो पुलिस ने नगदी रकम चार लाख बीस हजार किया जप्त

-संवाददाता-

कोरबा,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध कैस फ्लो रोकने हेतु दिशा निर्देश एवं मार्ग दर्शन दिये गये थे। जिस पर अति. पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, एसडीओपी कटघोरा पंकज ठाकुर एवं थाना प्रभारी बांगो निरीक्षक मनीष चन्द्र नागर के नेतृत्व में दिनांक 30.10.2023 को वाहन चेकिंग के दौरान थाना बांगो बैरियर के सामने जाकिर अली पिता शौकत अली, उम्र 41 वर्ष, निवासी सरकंडा चाटीडीह थाना सरकंडा जिला बिलासपुर से नगदी रकम 420000.00 (चार लाख बीस हजार रुपये) को परिवहन करते बरामद कर रकम के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही कर पाने पर उक्त रकम को 102 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत जप्त किया गया। पृथक से अग्रिम कार्यवाही जारी है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मनीष नागर, उनि महासिंह, सउनि नीलेन्द्र सिंह, आर. पुरंजन साहू, अशोक खरे, सुखलाल सिदार , प्र आर. शिव शंकर परिहार , इतवार सिंह शामिल रहे।

राजस्व मंत्री बनने के बाद भी नहीं दिला पाए भारी वाहनों से निजातःलखन लाल

-संवाददाता-

कोरबा,30 अक्टूबर 2023 (घटती-घटना)।

मुड़ापार वार्ड के दौरे में पहुंचे लोगों ने भाजपा प्रत्याशी को बाईपास सड़क पर 24 घंटे भारी वाहनों के आवागमन से हो रही परेशानी से अवगत कराया। इस पर लखन लाल देवांगन ने कहा कि जयसिंह अग्रवाल ने राजस्व मंत्री की शपथ लेने के बाद बड़े-बड़े दावे किए थे। उनका दावा था कि शहर के बीच से भारी वाहन पूरी तरह से हट जाएंगे। शहर के भीतर के चारों बाईपास पर लोगों को भारी वाहन से निजात मिल जायेगा। पांच साल गुजर गए। एक भी बाईपास के किनारे रहने वाले लोगों को परेशानी से निजात नहीं मिली। लखन ने कहा कि इस वजह से आए दिन शहर के भीतर हादसे हो रहे हैं। बाईपास के दोनों ओर रहने वाले लोग धूल से बेहाल हैं। व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतने साल में राजस्व मंत्री ने भारी वाहनों से निजात दिलाने का ऐसा कोई प्रयास नहीं किया है। न तो कभी जनता से पांच साल में पूछने भी आए कि उन्हें क्या परेशानी है ? लखन ने कहा कि जब मुड़ापार वार्ड में मंत्री वोट मांगने आए तब उनसे पूछे । लखन लाल देवांगन ने कहा कि इस बार भाजपा को जिताएं। कांग्रेस के राज में भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी हो सकता है पर कोरबा शहर का विकास नहीं हो सकता। पूरे शहर ने इसे पंद्रह साल में अच्छी तरह से महसूस किया है। अब समय आ गया है परिवर्तन का।

टी 20 वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए 8 टीमों के बीच भिड़ंत

वेनेजुएला,30अक्टूबर 2023। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है। साल 2024 होने वाले इस टी20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। एशिया से दो स्थानों को तय करने के लिए आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप एशिया कप क्वॉलिफायर का आयोजन 5 नवंबर तक नेपाल में होगा। इस क्वॉलिफायर में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें नेपाल, बहरीन, हॉन्ग कॉन्ग, कुवैत, मलेशिया, ओमान, सिंगापुर और यूएई शामिल हैं।

ये आठ टीमें एक हफ्ते तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में एक दूसरे के खिलाफ आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप में दो स्थानों को पाने के लिए भिड़ेंगी। टी20 वर्ल्ड कप के इस क्वॉलिफायर के दमदार होने की उम्मीद है और आठों टीमें एक दूसरे को टक्कर देते हुए वर्ल्ड कप में जगह बनाने की कोशिश करेंगी।

हर ग्रूप की टॉप दो टीमें 3 नवंबर को सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी। जिसमें दो विजेता टीमें अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी जगह पक्की करेंगी। टॉप दो क्वॉलिफायर टीमें 5 नवंबर को एशिया क्वॉलिफायर के फाइनल में भिड़ेंगी, जहां उनके लिए टूर्नामेंट जीतने का मौका होगा। हालांकि, इन दोनों टीमों की जगह टी20 वर्ल्ड कप के लिए पहले ही पक्की हो चुकी होगी।

टी20 वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर के ग्रूप
मलेशिया नेपाल ओमान सिंगापुर
ग्रूप एक के सभी मैच त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड, कीर्तिपुर में खेले जाएंगे।
ग्रूप बी
बहरीन हांगकांग,चीन कुवैत संयुक्त अरब
ग्रूपबी के सभी मैच मुलपानी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें एशिया क्वॉलिफायर फाइनल में टॉप दो टीमें स्थान हासिल करने वाली आखिरी टीमों में से होंगी।

मुकाबला का दिन और समय

2 नवंबर

नेपाल बनाम ओमान- सुबह 9 बजे, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड, कीर्तिपुर
हांगकांग बनाम संयुक्त अरब अमीरात- सुबह 9 बजे, मुलपानी क्रिकेट स्टेडियम
सिंगापुर बनाम मलेशिया- दोपहर 1.30 बजे, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड, कीर्तिपुर
बहरीन बनाम कुवैत-दोपहर 1.30 बजे, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड, कीर्तिपुर

3 नवंबर

सेमीफाइनल 1- ए1 बनाम बी2- सुबह 11 बजे, दोपहर 1.30 बजे, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड, कीर्तिपुर
सेमीफाइनल 2- बी 1 बनाम ए2, सुबह 11 बजे, मुलपानी क्रिकेट स्टेडियम

5 नवंबर

विजेता सेमीफाइनल 1 बनाम विजेता सेमीफाइनल 2, सुबह 11 बजे, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड, कीर्तिपुर

विश्व कप की शीर्ष सात टीमें चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान पाकिस्तान के साथ खेलेंगी

नई दिल्ली,30अक्टूबर 2023। मौजूदा विश्व कप तालिका में शीर्ष सात में जगह बनाने से टीमों को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा क्योंकि उन्हें नामित मेजबान पाकिस्तान के साथ आठ-टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए योग्यता प्राप्त होगी।आईसीसी ने 2024-2031 के अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के लिए 2021 में चैंपियंस ट्रॉफी को पुनर्जीवित किया था और टूर्नामेंट के दो संस्करण 2025 और 2029 में आयोजित किए जाएंगे।चैंपियंस ट्रॉफी भी पारंपरिक प्रारूप का पालन करने के लिए निर्धारित है चार टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी जिसके बाद फाइनल होगा।

लेकिन यह योग्यता प्रणाली, जिसे 2021 में आईसीसी बोर्ड बैठक के दौरान मंजूरी दी गई थी, चैंपियंस ट्रॉफी स्लॉट पाने में इंग्लैंड और बांग्लादेश जैसी टीमों की संभावनाओं में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

परिदृश्य को देखते हुए, इंग्लैंड वर्तमान में केवल दो अंकों के साथ विश्व कप चार्ट में 10वें स्थान पर है, और बांग्लादेश दो अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।दोनों टीमों के पास टूर्नामेंट में तीन और मैच बचे हैं और खुद को शीर्ष सात में लाने के लिए कुछ बड़े बदलाव की जरूरत है।

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने विश्व कप में शीर्ष सात में रहने के महत्व पर जोर दिया था।

मेरा मतलब है, सेमीफ़ाइनल की उम्मीद नहीं। यह सेमीफ़ाइनल संभावना नहीं है. कम से कम, हमें थोड़ा बेहतर करने की जरूरत है।' मान लीजिए, यदि आप चैंपियंस ट्रॉफी (2025) में खेलना चाहते हैं तो आपको (शीर्ष) रैंकिंग 8 में रहना होगा। शाकिब ने नीदरलैंड के खिलाफ बांग्लादेश की हार के बाद शनिवार को कहा, तो, इसे ध्यान में रखते हुए अभी भी तीन मैच बाकी हैं। डच टीम और अफगानिस्तान इस समय तालिका में क्रमशः आठवें और सातवें स्थान पर हैं और चैंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने का वास्तविक सपना देख सकते हैं।

इस प्रणाली का एक और दोष यह है कि वेस्टइंडीज, आयरलैंड और जिम्बाब्वे जैसी टीमों के पास चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करने का कोई मौका नहीं है क्योंकि वे इस विश्व कप में नहीं खेल रहे हैं।

संजीत बधवार ने एमएफएन 13 में फेदरवेट खिताब बरकरार रखा

नोएडा,30अक्टूबर 2023। फेदरवेट खिताब के मौजूदा चैंपियन संजीत बधवार ने मैट्रिक्स फाइट नाइट के मुख्य कार्यक्रम में अपने प्रतिद्वंद्वी श्यामानंद के खिलाफ एमएफएन 13 में खचाखच भरे नोएडा इंडोर स्टेडियम में एक कठिन मुकाबले में सर्वोच्च स्थान हासिल किया और अपना खिताब बरकरार रखा।

मुख्य कार्यक्रम पांच राउंड तक चला। पहले राउंड में, संजीत ने श्यामानंद के चेहरे पर बाएं हाथ का हुक मारा। दूसरे राउंड में संजीत ने जबरदस्त आक्रमण शक्ति का प्रदर्शन किया लेकिन श्यामानंद उन्हें दूर रखने में कामयाब रहे। संयोजन हमलों के साथ, संजीत ने श्यामानंद पर जोरदार प्रहार किये। पाँच राउंड के कड़े मुकाबले के बाद, संजीत को विभाजित निर्णय के माध्यम से विजेता घोषित किया गया।फेदरवेट खिताब के लिए एमएफएन के आगामी संस्करणों में से एक के मुख्य कार्यक्रम में अब संजीत का सामना अफगान लायन, अब्दुल अजीम बदख्शी से होगा।

निशानेबाज अनीष भानवाला ने भारत को 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया

नई दिल्ली,30अक्टूबर 2023। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अनीष भानवाला ने सोमवार को कोरिया के चांगवान में चल रही एशियाई चैम्पियनशिप की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत को निशानेबाजी में 12वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया।

अनीष भानवाला शूटआउट में जापान के दाई योशिओका से हार गये जिन्होंने रजत पदक जीता। करनाल के 21 साल के निशानेबाज ने फाइनल में 28 निशाने लगाये थे। स्थानीय प्रबल दावेदार निशानेबाज ली गुनहियोक ने स्वर्ण पदक जीता। अनीष भानवाला ने फाइनल में पहुंचते ही पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया था क्योंकि चीन, जापान और कोरिया पहले ही इस स्पर्धा में दो दो ओलंपिक कोटे हासिल कर चुके थे। भानवाला के अलावा फाइनल में पहुंचने वाले अन्य निशानेबाज चीन, जापान और कोरिया के थे।

भानवाला क्वालीफिकेशन चरण में 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे थे। एक अन्य भारतीय भावेश शेखावत 584 अंक से क्वालीफिकेशन में शीर्ष आठ में शामिल थे लेकिन फाइनल में नहीं पहुंच सके क्योंकि वह केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे और फाइनल में पहुंचने के लिए योग्य नहीं थे।

दक्षिण अफीका के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान पर जुर्माना लगाया गया

नई दिल्ली,30अक्टूबर 2023। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के एक लीग मैच में दक्षिण अफीका के खिलाफ धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने समय भत्ते पर विचार करने के बाद बाबर आजम की टीम को लक्ष्य से चार ओवर कम होने के कारण सजा दी।

खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों को उनकी टीम द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

बाबर ने अपराध स्वीकार किया और प्रस्तावित सज़ा स्वीकार कर ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

मैदानी अंपायर एलेक्स व्हार्फ और पॉल रीफेल, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने यह आरोप लगाया था।

हरियाणा की झोली में आया स्वर्ण पदक

करनाल की तनिष्का ने दिलाया गोल्ड

चंडीगढ़,30अक्टूबर 2023। खेलों का पॉवर हाउस कहे जाने वाले हरियाणा का जलवा गोवा में चल रहे 37वें नेशनल गेम्स में भी देखने को मिल रहा है। हरियाणवी खिलाड़ी लगातार मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। सोमवार को हुए फेनसिंग (तलवारबाजी) इवेंट में हरियाणा की झोली में स्वर्ण पदक आया। इसी खेल में टीम इवेंट में राज्य के खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

करनाल की तनिष्का ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फेनसिंग में हरियाणा को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। खबर लिखे जाने तक हरियाणा के खाते में कुल 45 मेडल हैं, जिनमें 18 गोल्ड, 12 रजत और 15 कांस्य पदक शामिल हैं। फेनसिंग में कुल 2 गोल्ड तथा 4 कांस्य पदक हरियाणा के खाते में आए हैं। टीम इवेंट में तनिष्का खत्री, शीतल दलाल, प्राची लोहान और तन्नू गुलिया विजेता टीम का हिस्सा रही।

स्वर्ण पदक विजेता तनिष्का खत्री ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार से हमें काफी सहयोग मिला है। साथ ही, हरियाणा फेनसिंग एसोसिएशन से भी हमें मदद मिली है। तनिष्का खत्री ने हरियाणा सरकार की खेल नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की खेल नीति सबसे अच्छी है, जिससे इनाम राशि के साथ-साथ प्रैक्टिस के दौरान भी हमें काफी मदद मिलती है और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता है। सरकार के सहयोग के कारण प्रदेश के खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं, जिससे उन्हें अपने प्रदर्शन को निखारने का अवसर मिलता है।

अभी तक हरियाणा के खाते में कुल 45 मेडलः

हरियाणा के खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों में लगातार अपनी जीत का दबदबा बनाए हुए हैं। खबर लिखे जाने तक हरियाणा के खाते में कुल 45 मेडल हैं, जिनमें 18 गोल्ड, 12 रजत और 15 कांस्य पदक शामिल हैं। हरियाणा ने अभी तक स्क्लिंग में 1 रजत व 1 कांस्य, बैडमिंटन में 1 स्वर्ण, फेनसिंग में 2 स्वर्ण व 4 कांस्य, नेटबॉल में 4 स्वर्ण, रगबी में 1 स्वर्ण, जिमनास्टिक में 4 स्वर्ण, 3 रजत व 4 कांस्य, पेनकैक सिल्ट में 3 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य, एथलेटिक्स में 1 रजत तथा मॉडर्न पेंटाथलॉन में 3 स्वर्ण, 4 रजत व 4 कांस्य पदक जीते हैं।

बिग बी,रजनीकांत ने थलाइवर 170 का मुंबई शेड्यूल किया पूरा

लंबे समय बाद अमिताभ बच्चन और मेगास्टार रजनीकांत आगामी फिल्म थलाइवर 170 में एक साथ दिखाई देंगे। दोनों दिग्गजों ने फिल्म का मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है।

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म की मुंबई शूटिंग पूरी होने की घोषणा की। फिल्म के पर्दे के पीछे की तस्वीर से थलाइवर और बिग बी की एक साथ तस्वीर साझा करते हुए स्टूडियो ने लिखा, 33 साल बाद सुपरस्टार और शहंशाह थलाइवर 170 के सेट पर मिले। थलाइवर 170 का मुंबई शेड्यूल पूरा हो गया।

इस महीने की शुरुआत में रजनीकांत ने अमिताभ बच्चन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की थी। कंधे से कंधा मिलाकर और मुस्कुराते हुए रजनीकांत ने एक बार फिर बॉलीवुड के एंग्री यंग मैन के साथ काम करने पर बहुत खुशी जताई थी।

उन्होंने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, 33 वर्षों के बाद मैं अपने मेंटर श्री अमिताभ बच्चन के साथ टी.जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित आगामी लाइका की थलाइवर 170 में फिर से काम कर रहा हूं। मेरा दिल खुशी से धड़क रहा है। इसके अलावा, बिग बी ने बाद में इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, इस पल को बड़ा करने की कोशिश कर रहा हूं। थलाइवर, रजनीकांत के साथ 33 साल बाद काम का पहला दिन।

आगामी फिल्म से पहले, बिग बी और थलाइवर ने पिछली बार मुकुल आनंद द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्म हम में एक साथ काम किया था, जो 1991 में रिलीज हुई थी। हम ने 1990 के दशक में जबरदस्त धूम मचाई थी और जबरदस्त सफलता हासिल की थी।

फिल्म में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, गोविंदा, अनुपम खेर, किमी काटकर, दीपा साही, शिल्पा शिरोडकर, डैनी डेन्जोंगप्पा और कादर खान ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई। थलाइवर की 1995 में क्लासिक बाशा भी आई।

हम अपने गाने जुम्मा चुम्मा दे दे के लिए भी खूब याद किया जाता है। बाशा को अपने दो क्लासिक ट्रैक नान ऑटोकारन और स्टाइल स्टाइल थान के लिए भी जाना जाता है।

नए मिस्ट्री प्रोजेक्ट की घोषणा के बाद से पूरे भारत में जबरदस्त उत्साह है, क्योंकि मुंबई से चेन्नई तक दर्शक दो दिग्गजों को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने के लिए बेचैन हैं।

गदर-3 की तैयारी शुरू

अभिनेता सनी देओल, उत्कर्ष शर्मा, अमीषा पटेल, सिमरत कौर और मनीष वाधवा स्टारर गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर वाकई गदर मचाया है। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और ताबड़तोड़ कमाई की। फिल्म को लेकर सिनेमा लवर्स में तगड़ा क्रेज देखने को मिला था। साल 2001 में गदर रिलीज हुई थी और इसके 22 साल बाद साल 2023 में गदर 2 लेकिन अब गदर 3 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार नहीं करना होगा।

कहानी हो गई है क्रेक

बताया जा रहा है कि मेकर्स, गदर 3 में ज्यादा देरी नहीं करने वाले हैं और उन्हें सनी देओल के स्टारडम पर पूरा भरोसा है। दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 2025 के स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी और अगले साल यानी 2024 की शुरुआत में इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा। यही नहीं रिपोर्ट के मुताबिक 2024 के अगस्त से शूट शुरू हो जाएगा। कहा जा रहा है कि गदर 3 की कहानी क्रेक हो गई है।

कौन होगा विलेन

अनिल शर्मा फिल्म्स के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर राणा भाटिया ने कहा, अगले पार्ट की कहानी तो क्रैक कर ली गई है। इसे लेकर तैयारियां की जा रही हैं। हम इसे दो साल के भीतर लाने की कोशिश कर रहे हैं। राणा भाटिआ ने बताया है कि सनी देओल की फैमिली, गदर 3 का भी हिस्सा रहेगी लेकिन विलेन को लेकर विचार जारी है। याद दिला दे कि फिल्म के पहले पार्ट में अमरीश पुरी और दूसरे पार्ट में मनीष वाधवा विलेन के रोल में दिखे थे। गौरतलब है कि घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इंडियन सिनेमा की सबसे अधिक कमाई करने वाली तीसरी फिल्म गदर 2 बन चुकी है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म का कुल कलेक्शन 525.45 करोड़ रुपये है। बता दें कि इस लिस्ट में पहले नंबर पर जवान और दूसरे नंबर पर पठान है। ये दोनों ही शाहरुख खान की फिल्में हैं।

अनन्या पांडे जल्द रखेंगी ओटीटी की दुनिया में कदम

अभिनेत्री अनन्या पांडे किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 2019 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली अनन्या अपने छोटे से ही सफर में कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं।30 अक्टूबर, 1998 को अभिनेता चंकी पांडे के घर जन्मी अनन्या आज अपना 25वां जन्मदिन मना रही हैं।आइए इस मौके पर उनकी आने वाली फिल्मों और वेब सीरीज के बारे में जानते हैं।अनन्या की फिल्म खो गए हम कहां का ऐलान काफी समय पहले हो चुका है और अब यह जल्द रिलीज होने वाली है।इस फिल्म में अनन्या के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव नजर आएंगे।फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही इस फिल्म की कहानी दोस्ती पर आधारित है।अर्जुन वरैन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 17 नवंबर को रिलीज होगी। इसकी कहानी अर्जुन ने जोया अख्तर और रीमा कातगी के साथ लिखी है। अनन्या पहली बार विक्रमादित्य मोटवानी के साथ उनकी साइबर थ्रिलर फिल्म में नजर आने वाली हैं, जिसका नाम कंट्रोल रखा गया है।इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर की जिंदगी पर आधारित इस साइबर थ्रिलर फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है, लेकिन अभी इसकी रिलीज तारीख से पर्दा नहीं हटा है।

भोपाल गैस रिसाव त्रासदी पर आधारित फिल्म

द रेलवे मेन का टीजर जारी

नेटफ्लिक्स ने यशराज फिल्म्स के सहयोग से बनी आगामी वेबसीरीज द रेलवे मेन का टीजर जारी कर दिया गया है। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी भोपाल गैस रिसाव त्रासदी पर आधारित है।

अभिनेता आर. माधवन, केके मेनन, दिव्येंदु और बाबिल खान अभिनीत यह सीरीज गुमनाम नायकों की कहानी है। 1 मिनट 24 सैकंड के टीजर में मध्य प्रदेश के भोपाल में 2 और 3 दिसंबर 1984 की रात में हुई गैस त्रासदी को दिखाया गया है। शुरुआत में कारखाने से जहरीली गैस का रिसाव नजर आता है। इसमें भारतीय रेलवे के कर्मचारियों के साहस और अंधेरे में अनगिनत लोगों की जान बचाने के उनके प्रयासों को पर्दे पर उतारा गया है। द रेलवे मेन नेटफ्लिक्स और वाईआरएफ के बीच एक प्रतिष्ठित साझेदारी से स्ट्रीम होने वाला पहला प्रोजेक्ट है।

ख्यातनाम निर्देशक एच.एस. रवैल के पोते और राहुल रवैल के बेटे बेटे शिव रवैल इस सीरीज के जरिए निर्देशन करिअर की शुरुआत कर रहे हैं। इसका 18 नवंबर को दुनियाभर में प्रीमियर होगा। ज्ञातव्य है कि भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कंपनी के कारखाने से जहरीली गैस का रिसाव होने से 15 हजार से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

भूपेश पर भरोसा नहीं इसलिए भाई-बहन आकर कर रहे वादे

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने कहा पुराणी घोषणा भूले...राहुल-प्रियंका और दिल्ली के नेताओं से बंटवा रहे चुनावी रेवड़ियां...

रायपुर,30 अक्टूबर 2023(ए)। प्रियंका गांधी की घोषणाओं पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने चुटकी लेते हुए कहा कि भूपेश बघेल पर नहीं रहा छत्तीसगढ़ का भरोसा, इसलिए दिल्ली के नेताओं को बुलाकर करवानी पड़ रही हैं घोषणाएँ।

स्वामी आत्मानंद स्कूल को लेकर कहा कि कांग्रेस ने एक ईट भी नहीं लगाई, भाजपा सरकार में बने स्कूलों का नाम बदलकर श्रेय ले रही। खैरागढ़ में आज कांग्रेस की सभा में पहुंची प्रियंका गांधी ने कई घोषणाएं की हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की पहली घोषणा, सिलेंडर रिफिल करने पर 500 रुपए की सब्सिडी देने को लेकर कहा कि पहले कांग्रेस सिर्फ़ वादे कर जनता को छलती है, न केवल गैस सिलेंडर में सब्सिडी बल्कि गरीबों को उज्जवला योजना के माध्यम से गैस सिलेंडर देने का काम भी पीएम मोदी ने किया है।

200 यूनिट तक बिजली फ्री देने को लेकर डॉ रमन बोले कि कांग्रेस ने पहले भी बिजली बिल हाफ करने का वादा किया था, बिल तो हाफ नहीं हुआ बल्कि बिजली ही हाफ हो गई, वहीं पिछले 15 साल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने न सिर्फ़ प्रदेश के सुदूर अंचलों तक बिजली पहुंचाई व जीरो पावर कट राज्य बनाया। प्रियंका गांधी द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों की ऋष्ण माफी के वादे को लेकर पूर्व सीएम ने कहा कि इस कांग्रेस सरकार ने सबसे अधिक दुर्दशा प्रदेश में महिलाओं की ही की है। जिन महिला स्व सहायता समूह को प्रलोभन देने का काम कांग्रेस कर रही है।

पिछले 5 साल में उन्हीं महिला स्वसहायता समूहों से रेडी टू ईट का काम छीनकर प्राइवेट ठेकेदार के हाथों में देने का काम इस कांग्रेस सरकार ने किया है, प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा समाप्त हो चुकी है। राजधानी के एएसपी ऑफिस की पार्किंग में नाबालिग का बलात्कार होता है और प्रियंका गांधी छत्तीसगढ़ आकर महिलाओं से वोट मांगती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार राहुल गांधी ने घोषणा पत्र में 200 फूड पार्क बनाने का वादा किया था। जिसमें से आज तक 2 फूड पार्क का भी निर्माण नहीं किया। राज्य के सभी सरकारी स्कूल को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश एवं हिन्दी मीडियम स्कूलों में अपग्रेड करने की घोषणा पर पूर्व सीएम ने कहा कि पिछले 5 साल में कांग्रेस सरकार के आने के बाद छत्तीसगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र शासित प्रदेशों से भी पिछड़कर 34वें स्थान पर आया गया है।

हमने पिछले 15 साल में 40,000 से ज्यादा स्कूलों का निर्माण किया, आदिवासी अंचलों तक स्कूल, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, आदि के माध्यम से शिक्षा का विस्तार किया जहां भाजपा की सरकार में एनआई टी, आई आई टी, आई आई एम, आई आई आई टी, एचएनएलयू और एआईएमएस जैसे शैक्षणिक संस्थान आए, बस्तर में एजुकेशन हब बना।

प्रियंका गांधी जिन स्वामी आत्मानंद स्कूलों की बात कर रही हैं। कांग्रेस सरकार ने उनमें एक ईट तक नहीं लगाया वो सभी स्कूल भवन भाजपा के कार्यकाल में बने हैं कांग्रेस ने सिर्फ़ नाम बदलकर भाजपा सरकार के कार्यों का श्रेय लेने का काम किया है।

गैस सब्सिडी,200 यूनिट फ्री बिजली और महिला समूह का कर्ज माफ होगा

रायपुर,30 अक्टूबर 2023(ए)। भाई राहुल गांधी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान दो बड़े एलान करके गए ही थे कि उनके जाने के बाद बहन प्रियंका गांधी वाड्रा ने महिलाओं के लिए सब्सिडी, फ्री और कर्ज माफ़ी का एलान की हैं।

आज सोमवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर आई प्रियंका गांधी अपने प्रत्याशियों के समर्थन में खैरागढ़ पहुंची और जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोंधित करते हुए प्रियंका गांधी ने 8 बड़ी घोषणाएं की है। जिसमे खासकर सीधे तौर पर महिलाओं से जुड़ी रहत हैं। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में महतारी न्याय योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल करवाने पर 500 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी और 200 यूनिट तक का बिजली बिल माफ किया जायेगा। साथ ही साथ महिलाओं द्वारा संचालित स्व सहायता समूह का कर्ज माफ किया जाएगा। प्रियंका गांधी कहा कि, बहुत समय से आपकी सभी मांग थी कि खैरागढ़ जिला बने, सीएम भूपेश बघेल जी ने उपचुनाव में वादा किया था कि जीत होते ही खैरागढ़ को

जिला बनाया जायेगा। नतीजा आने के 3 दिन बाद ही उन्होंने जिला बनाने की घोषणा कर दी थी।छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों के लिए महतारी न्याय योजना के अंतर्गत गैस रिफिल करवाने पर 500 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। प्रदेश में दुबारा कांग्रेस सरकार बनते ही प्रदेश के 49 लाख 63 हजार उपभोक्ताओं में से 42 लाख उपभोक्ताओं में जिन उपभोक्ताओं की मासिक बिजली खपत 200 यूनिट से कम है, उनका पूरा बिल माफ किया जायेगा साथ ही बाकियों को 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी।

सरकार बनते ही महिलाओं द्वारा संचालित स्व सहायता समूहों के कर्ज माफ किये जायेंगे साथ ही महिलाओं सक्षम योजना अंतर्गत लिए गए ऋष्ण भी माफ होंगे।

प्रदेश में अभी 300 पार्क है सरकार बनने के बाद 1000 ग्रामीण औद्योगिक पार्क बनाएं जायेंगे।

राज्य के सभी 6000 सरकारी हायर सेकेंडरी और हाई स्कूलों को आत्मानंद स्कूल की तर्ज पर अपग्रेड किया जाएगा।छत्तीसगढ़ निवासियों के लिए सड़क दुर्घटना और अन्य आकस्मिक दुर्घटना में निशुल्क स्वास्थ्य सहायता दी जाएगी।

परिवहन व्यवसाय से जुड़े 6000 मालिकों के 2018 से बकाया टैक्स माफ किया जायेगा।

कसानों से तीवरा एमएसपी में खरीदा जाएगा।

रायपुर जिले के भाजपा प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

रायपुर,30 अक्टूबर 2023(ए)। रायपुर जिले के 7 विधानसभा सीटों भाजपा प्रत्याशी में रायपुर दक्षिण से बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर पश्चिम से राजेश मूणत, रायपुर उत्तर से पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण से मोतीलाल साहू, धरसीवा से अनुज शर्मा, आरंग से खुसवंत साहेब, अभनपुर से इंद्र कुमार साहू ने नामांकन दाकिल किए। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन रायपुर जिले के 7 विधानसभा सीटों से भाजपा प्रत्याशियों ने एक साथ पत्र दाखिल किया. इस दौरान नामांकन रैली के बहाने बीजेपी ने शक्ति प्रदर्शन किया और कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर भाजपा के सातों प्रत्याशी नामांकन भरे।

कांग्रेस का वोट काटने में लगे हुए हैं वोटकटवा लोगः सीएम भूपेश

बिलासपुर,30 अक्टूबर 2023(ए)। सीएम भूपेश बघेल ने भी

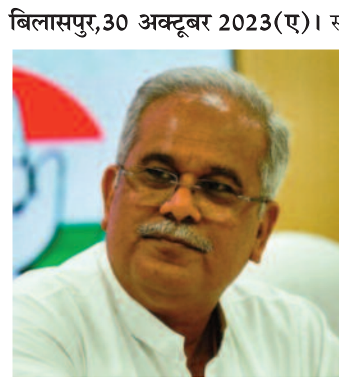

बिलासपुर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ वोटकटवा लोग कांग्रेस की वोट काटने में लगे हुए है। वोटकटवा लोगों से सावधान रहना होगा। हाथी-हल, फूल-झाड़ू से सावधान रहना होगा। 2023 छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए आज नामांकन भरने का आखिरी तारीख है। इसी कड़ी में सीएम भूपेश ने आज अपना नामांकन दाखिल किया। इस नामांकन कार्यक्रम कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी भी शामिल हुई। इस दौरान प्रियंका गांधी ने कई घोषणाएं की। जिसके बाद बिलासपुर में जनसभा को भी संबोधित किया।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को अब कुछ ही दिन बचे हुए है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों की तैयारियां तेज हो गई है। सभी नेता चुनाव जीतने के लिए अपने अपने क्षेत्रों का लगातार दौरा कर रहे हैं।

कवर्धा विधानसभा सीट के लिए बीजेपी से विजय शर्मा और कांग्रेस से मोहम्मद अकबर मैदान में होंगे आमने-सामने

कवर्धा,30 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को होना हैं. पहले चरण की 20 सीटों पर नामांकन, जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद बाकी बचे प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित हो गई है. प्रत्याशियों की सूची सामने आने के बाद कवर्धा सीट से एक ही नाम के दो उम्मीदवारों का खुलासा हुआ है.

इस सीट पर एक ही नाम के दो प्रत्याशी

छत्तीसगढ़ में पहले चरण की 20 विधानसभा सीटों में वोटिंग होनी है. लेकिन कवर्धा विधानसभा सीट पर एक ही नाम के दो प्रत्याशी मैदान में हैं. कवर्धा से कांग्रेस पार्टी ने अकबर भाई को प्रत्याशी बनाया है, जो भूपेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री है और पिछली बार इसी सीट से जीते थे. वहीं बहुजन समाज पार्टी ने जिसे अपना प्रत्याशी बनाया है, उसका नाम भी अकबर भाई ही है. अब कांग्रेस और बसपा के अकबर भाई आमने सामने हैं.यह भी संयोग देखा जा रहा है कि दोनों राष्ट्रीय दल के प्रत्याशियों का नाम ईवीएम मशीन में एक के बाद एक ऊपर-नीचे रहेगा।. इसमें पहले स्थान पर बसपा वाले अकबर भाई का नाम है, जिसके बाद दूसरे नंबर पर कांग्रेस के अकबर भाई को जगह दी गई है.

मंत्री अकबर को हराने विरोधियों का चुनावी पैंतराः

दरअसल, कवर्धा विधानसभा सीट के विधायक और सरकार में मंत्री मोहम्मद अकबर की क्षेत्र में अच्छी पकड़ है. खासकर वनांचल में आदिवासियों के बीच मोहम्मद अकबर की अच्छी लोकप्रियता है. यही वजह है कि अन्य पार्टी के के लिए अकबर भाई सो जीतना बड़ा चैलेंज होता है. जिसके चलते राजनीतिक दल चुनाव जीतने तरह-तरह के पैंतरा आजमाते हैं. इस बार अकबर भाई के नाम से एक प्रत्याशी को बहुजन समाज पार्टी से प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा गया है.

एक करोड़ का साड़ी जब्त

» चेकिंग के दौरान पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

महासमुंद ,30 अक्टूबर 2023(ए)। चुनाव के मद्देनजर चेकिंग अभियान के दौरान महासमुंद पुलिस को बड़ी सफ्लता मिली है। पुलिस ने ट्रक से बड़ी मात्रा में साड़ी जब्त किया है। जब्त की गई साड़ियों की कीमत 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का है।मिली जानकारी के अनुसार, जिले के सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के रेहटीखोल जांच नाका में पुलिस की टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। जांच के दौरान ओडिशा की ओर से आ रही आयशर ट्रक क्र.MH 04 LE 5608 से पुलिस ने 16 हजार नग साड़ी बरामद किया।इसके बाद पुलिस ने ट्रक चालक से इन साड़ियों के संबंध में दस्तावेज मांगा, पर ड्राइवर ने कोई वैध दस्तावेज नहीं दिया. इस पर पुलिस ने झारखंड निवासी सहदेव राना को गिरफ्तार कर लिया. वहीं जब्त की गई साड़ी की कुल कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, ये साड़ियां झारखंड के चिरकुंडा धनबाद से सूरत ले जाया जा रहा था।

मरकाम,अजय और रंजना के नामांकन दाखिले में शामिल हुए फडणवीस

धमतरी,30 अक्टूबर 2023(ए)। सोमवार को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस चुनावी प्रचार के लिए धमतरी पहुंचे। डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में भाजपा प्रत्याशीयों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। फडणवीस बीजेपी के तीन प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। जिसमें सिहावा से श्रवण मरकाम, कुरूद से अजय चंद्राकर और धमतरी से रंजना साहू है। सीएम फडणवीस थोड़ी ही देर में आमसभा को संबोधित किया। उनको सुनने के लिए बीजेपी कार्य कर्ताओं सहित कई स्थानीय लोग पहुंचे हुए हैं। सीएम फडणवीस की रैली को देखते हुए सुरक्षा के चाक-चौबंध इंतजाम किये गए हैं। आपको बता दें कि, देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य भी कहा जाता हैं। वह देवेंद्र फडणवीस ही थे जिन्होंने रातों-रात शिव सेना,एनसीपी और कांग्रेस के गठबंधन की सरकार की जमीन खींच बीजेपी के पाले में सरकार बना दी थी।

नक्सली पर्चे ने राजनीतिक पार्टियों की बढ़ाई परेशानी

» नक्सलियों ने पर्चे फेंक कर मंत्री को बताया हत्यारा...

बीजापुर,30 अक्टूबर 2023(ए)। पहले चरण के चुनाव से पहले नक्सलियों ने पर्चे की राजनीति बढ़ाकर राजनीतिक पार्टियों की परेशानी बढ़ा दी है। पर्चे के जरिए सत्तारूढ़ पार्टी के मंत्री पर हत्या तक के आरोप लगा रहे है। मतदान से एक सप्ताह पहले नक्सलियों के दक्षिण बस्तर डिविजनल कमेटी की सचिव गंगा ने प्रेस नोट जारी किया।

प्रेस नोट में महिला नक्सली नेता ने कोंटा के कांग्रेस उम्मीदवार और आबकारी मंत्री कवासी लखमा और भाजपा उम्मीदवार स्वयं मुक्का पर गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव बहिष्कार का आह्वान किया। नक्सली नेता ने आबकारी मंत्री लखमा और स्वयं मुक्का को आदिवासियों का हत्यारा कहा है।

नक्सली नेता गंगा ने कहा कि जेल में बंद आदिवासियों की रिहाई का वादा करने वाली पार्टी ने सत्तासीन होने के बाद उल्टे निर्दोष आदिवासियों को जेल भेज दिया। उसका दावा है कि, जेलों में बंद 125 निर्दोष ग्रामीण आदिवासी जिन्हें सबूतों के अभाव में न्यायालय ने दोष मुक्त कर रिहा किया है। मंत्री लखमा पर आरोप लगाया कि मंत्री बनने के बाद सरकारी कार्यों में कमीशन लेकर करोड़ो रुपयों की कमाई की है।

अमित जोगी ने पाटन से भरा नामांकन

» ये चुनाव 'भूपेश' नही 'भ्रष्टाचार' के विरुद्ध है...

रायपुर,30 अक्टूबर 2023 (ए)।छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी प्रदेश अध्यक्ष अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी ने दुर्ग जिले की पाटन सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे छत्तीसगढ़ के पाटन से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि उनके पास और भी कई विकल्प थे। वे चाहते तो किसी भी सेफ सीट से चुनाव लड़ सकते थे, लेकिन उन्होंने दुर्ग जिले के पाटन को ही चुना, क्योंकि वहां से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सातवीं बार पाटन से चुनावी मैदान में हैं तो वहीं अमित जोगी पहली बार दुर्ग जिले के पाटन से चुनावी चुनाव लड़ेंगे।

बीजेपी ने लोकसभा सांसद विजय बघेल को अपना प्रत्याशी बनाया है। अमित जोगी का कहना है कि मैंने आज पाटन से अपना नामांकन भरा है। यह चुनाव में भूपेश बघेल के खिलाफ नहीं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा हूं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्स पर लिखा है किमैंने पाटन से आज अपना नामांकन भरा है। ये चुनाव 'भूपेश' नही 'भ्रष्टाचार' के विरुद्ध है। यह एक ताकतवर दाऊ 'परिवार' बनाम पाटन के गरीब, अनुसूचित जाति-जनजाति, अतिपिछड़ा वर्गों के 'अधिकार' का चुनाव है। मैं तो केवल चेहरा हूं, प्रत्याशी तो पाटनवासी हैं, प्रत्याशी तो पीएससी घोटाला पीड़ति हैं, आवास पीड़ति हैं, वादाखिलाफी पीड़ति हैं, नियमितीकरण पीड़ति हैं, शराबबंदी पीड़ति हैं। मैं तो भ्रष्टाचार के विरुद्ध, इन सभी पीड़ितों का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। मेरे पास 'सेफ' सीट से जीतने के तीन विधानसभाओं के विकल्प थे, मैं दो सीटों से भी लड़ सकता था लेकिन मैंने अकेले पाटन से ही लड़ने का निर्णय पाटनवासियों के कहने पर लिया है। मैंने पिछले एक महीने में पाटन विधानसभा क्षेत्र में तीन बडी सभायें की हैं।मेरे आने के बाद, पाटन में पहली बार चुनाव होगा, अभी तक तो एक ही परिवार के चाचा-भतीजा की सेटिंग होती आयी है, चुनाव तो अब होगा। 'पाटन में परिवर्तन' तय है। पाटनवासियों की जीत होगी।

नवागढ़ विधानसभा सीट के लिए बीजेपी से दयालदास बघेल और कांग्रेस से गुरु रूद्र कुमार मैदान में होंगे आमने-सामने

बेमेतरा,30 अक्टूबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में बेमेतरा जिले में एक विधानसभा सीट हुआ करती थी.जिसे लोग मारो नाम से जानते थे. लेकिन साल 2008 में विधानसभा सीट का परिसीमन किया गया. जिसके बाद इस विधानसभा का नाम मारो से बदलकर नवागढ़ कर दिया गया.अनुसूचित जाति बाहुल्य यह क्षेत्र स्ट लिए आरक्षित है. पिछले चार विधानसभा चुनाव में इस सीट से तीन बार बीजेपी और एक बार कांग्रेस का कब्जा रहा है.इस सीट पर वर्तमान में कांग्रेस के गुरुदयाल सिंह बंजारे विधायक हैं.

परिसीमन के बाद बदले सियासी समीकरण

नवागढ़ विधानसभा सीट का राजनीतिक इतिहास अपने आप मे रोचक रहा है. दरअसल राज्य बनने से पहले इस सीट पर कांग्रेस का राज हुआ करता था. लेकिन जैसे ही मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ अलग राज्य बना. नवागढ़ क्षेत्र में भी सियासी समीकरण बदलने लगे. 2003 में जनता ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी पर भरोसा जताया.लगातार तीन बार दयालदास बघेल इस सीट से विधायक रहे.जिन्हें कैबिनेट मंत्री भी बनाया गया.

बीजेपी और कांग्रेस में कड़ा मुकाबला =

नवागढ़ विधानसभा सीट में परिसीमन के बाद अब तक तीन विधानसभा चुनाव हो चुके हैं. जिनमें से दो बार चुनाव बीजेपी के पक्ष में रहे हैं. वहीं 1 बार कांग्रेस इस सीट पर जीती है. बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ी जंग में बसपा यहां तीसरे नंबर की पार्टी रही है. बीजेपी और कांग्रेस के अलावा नवागढ़ में बसपा पार्टी अस्तित्व में है. लेकिन कार्यकर्ताओं की कमी के कारण बीएसपी ने अपना जनाधार खो दिया है.इस बार भी सीधा मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी से होगा.

बीजेपी प्रभारी ओम माथुर ने ली बंद कमरे में बैठक

सीट जीतने अंतिम और महत्वपूर्ण रणनीति पर की चर्चा

बीजापुर,30 अक्टूबर 2023(ए)। ओम माथुर विशेष विमान से सुबह बीजापुर पहुंचें। बीजेपी अटल सदन कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद बंद कमरे में भाजपा प्रत्याशी महेश गागड़ा और अन्य प्रमुख पदाधिकारियों के साथ घंटे भर से अधिक उनकी बैठक चली। माना जा रहा है कि बैठक में सीट जीतने अंतिम और महत्वपूर्ण रणनीति पर चर्चा हुई है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के पहले चरण का मतदान 7 नवंबर हो होना है. वहीं चुनाव में पार्टी की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा करने भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर बीजापुर पहुंचे। इस दौरान ओम माथुर ने मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कांग्रेस की तरफ से चुनावी मंच पर घोषणाओं पर कहा कि भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र छत्तीसगढ़ में जीत दर्ज करने की दिशा में ऐतिहासिक होगा. कांग्रेस डरी हुई है। उनका घोषणा पत्र धरातल पर उतरा नहीं है। वहीं बस्तर की सीटों पर उन्होंने सभी सीटों पर जीत का दावा किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)